दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-99
मुरादाबाद
29 July 2024
(Monday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मां और धरती मां के लिए कुछ स्पेशल करना होगा, पीएम मोदी बोले- पेड़ लगाने के अभियान से जुड़ें देशवासी

मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने आज कहा कि इस समय पूरी दुनिया में पेरिस ओलंपिक छाया हुआ है। ओलंपिक हमारे खिलाड़ियों को विश्व पटल पर तिरंगा लहराने का मौका देता है देश के लिए कुछ कर गुजरने का मौका देता है। पीएम ने इस पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप भी अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाइए।पीएम बोले- देशवासी पेरिस ओलंपिक में खेल रहे अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं। पीएम मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में गोल्ड जीतने वाले छात्रों से की बात।पीएम मोदी हर बार की तरह आज देशवासियों से मन की बात कर रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में पेरिस ओलंपिक छाया हुआ है। मोदी ने कहा कि ओलंपिक हमारे खिलाड़ियों को विश्व पटल पर तिरंगा लहराने का मौका देता है, देश के लिए कुछ कर गुजरने का मौका देता है। पीएम ने इस पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप भी अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाइए।ओलंपियाड छात्रों से पीएम मोदी ने की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय मैथ्स ओलंपियाड के छात्रों से बात की। पीएम ने कहा कि कुछ दिन पहले मैथ्स की दुनिया में भी एक ओलंपिक हुआ है। इस ओलंपियाड में भारत के छात्रों ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया है। ओलंपियाड में टॉप फाइव में रही टीम इंडिया पीएम ने बताया कि इसमें हमारी टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार गोल्ड मेडल एक सिल्वर मेडल जीता है। पीएम ने कहा कि International Mathematics Olympiad में 100 से ज्यादा देशों के युवा हिस्सा लेते हैं और संपूर्ण टैली में हमारी टीम टॉप फाइव में आने में सफल रही है। पीएम ने इसी के साथ देश का नाम रोशन करने वाले छात्रों से बात की। पीएम ने पुणे के रहने वाले आदित्य वेंकट गणेश, पुणे के ही सिद्धार्थ चोपड़ा, दिल्ली के अर्जुन गुप्ता, ग्रेटर नोएडा के कनव तलवार, मुंबई के रुशील माथुर और गुवाहाटी के आनंदो भादुरी से बात की। एक पेड़ मां के नाम - पीएम ने आगे कहा कि हमें अपनी मां और धरती मां के लिए कुछ स्पेशल करना चाहिए। पीएम ने कहा कि इसी को देखते हुए हम देशवासियों के मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से जुड़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत इंदौर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत एक ही दिन में दो लाख पेड़ लगाए गए और रिकॉर्ड बनाया गया। खादी के वस्त्र खरीदने का समय- पीएम ने इसी के साथ लोगों से खादी के वस्त्र खरीदने की अपील की। पीएम ने कहा कि आपने अब तक खादी के वस्त्र नहीं खरीदे, तो इस साल से शुरू कर लें। अगस्त का महीना आ ही गया है ये आजादी मिलने का महीना है, क्रांति का महीना है। इससे बढ़िया अवसर और क्या होगा, खादी खरीदने के लिए। पीएम मोदी ने आज मन की बात में पैरिस ओलंपिक में गए भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की बात की। पीएम ने इसी के साथ खादी के कपड़ों का इस्तेमाल बढ़ाने को कहा। पीएम ने इस रेडियो कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम से लेकर परी प्रोजेक्ट के बारे में बात की।पीएम मोदी ने आज मन की बात में पैरिस ओलंपिक में गए भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की बात की। पीएम ने इसी के साथ खादी के कपड़ों का इस्तेमाल बढ़ाने को कहा। पीएम ने इस रेडियो कार्यक्रम के दौरान लोगों से भी कई खास अपील की। परी प्रोजेक्ट का जिक्र- प्रधानमंत्री ने इस दौरान प्रोजेक्ट परी के बारे में भी बात की। पीएम मोदी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के जरिए सार्वजनिक कला को बढ़ावा दिया जा रहा है। दरअसल, प्रोजेक्ट परी उभरते कलाकारों को एक मंच पर लाकर सार्वजनिक कला को लोकप्रिय बनाने का एक बड़ा माध्यम बन रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि अब आप परी सुनकर भ्रमित न हों। यह परी स्वर्ग की कल्पना से जुड़ी नहीं है, बल्कि धरती को स्वर्ग बना रही है। परी का मतलब है पब्लिक आर्ट ऑफ इंडिया। प्रोजेक्ट के जरिए देश के कलाकारों को मिल रही पहचान पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट परी उभरते कलाकारों को एक मंच पर लाकर सार्वजनिक कला को लोकप्रिय बनाने का बड़ा माध्यम बन रहा है।

क्या है परी प्रोजेक्ट इस प्रोजेक्ट के तहत दीवारों, सड़कों के किनारे और अंडरपास में पेंटिंग और कलाकृतियां इससे जुड़े कलाकारों द्वारा बनाई गई हैं। पीएम ने बताया कि इससे जहां हमारे सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता बढ़ती है, वहीं हमारी संस्कृति को और अधिक लोकप्रिय बनाने में भी मदद मिलती है। PM ने प्रोजेक्ट परी की प्रगति के प्रति युवाओं की प्रोत्साहित भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी देश अपनी संस्कृति पर गर्व करके ही प्रगति कर सकता है। भारत में इसके लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें से एक प्रोजेक्ट परी है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में नेता प्रतिपक्ष होंगे माता प्रसाद पांडे, सपा की बैठक के बाद लिया गया फैसला

अखिलेश यादव ने निर्देश दिए हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार हो रहे विधानमंडल सत्र में पूरी तैयारी के साथ उतर जाएं और जनहित के मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएं। इनमें किसानों, जातीय गणना और कानून-व्यवस्था प्रमुख मुद्दे होंगे।सपा विधायक दल की बैठक समाप्त हो गई है। विधान सभा सदस्य माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष चुना गया। अखिलेश यादव ने निर्देश दिए हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार हो रहे विधानमंडल सत्र में पूरी तैयारी के साथ उतर जाएं और जनहित के मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएं। इनमें किसानों, जातीय गणना और कानून-व्यवस्था प्रमुख मुद्दे होंगे।उत्तर प्रदेश विधानसभा में माता प्रसाद पांडे को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। इस दौड़ में इंद्रजीत सरोज का नाम भी तेजी से चल रहा था, लेकिन अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पांडे को उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया। इसके अलावा सपा ने विधायक महबूब अली को अधिष्ठाता मंडल, कमाल अख्तर को मुख्य सचेतक और राकेश कुमार उर्फ आरके वर्मा को उप सचेतक नियुक्त किया है। गौरतलब है कि इससे पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव खुद थे। अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल सीट से विधायक थे। माता प्रसाद पांडे सिद्धार्थनगर की इटवा सीट से विधायक हैं। वह उत्तर प्रदेश विधानसभा के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं।

मनु ने रचा इतिहास, ओलंपिक में शूटिंग में भारत को पदक दिलाने वाली पहली महिला, जीता कांस्य

मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में भी तीसरे स्थान पर रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग में भारत के पदक के 12 साल के सूखे को भी खत्म किया। 2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में पदक जीता था।मनु भाकर ने रविवार 28 जुलाई को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। हरियाणा की 22 साल की इस निशानेबाज ने चेटरौक्स शूटिंग सेंटर में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद इन खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। टोक्यो में दिल टूटने के तीन साल बाद भारत की इस सबसे प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक ने अपने सपनों को पूरा किया और देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने जबरदस्त वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक दक्षिण कोरिया की दो खिलाड़ियों ने जीता। ओह ये जिन 243.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया।मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में भी तीसरे स्थान पर रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग में भारत के पदक के 12 साल के सूखे को भी खत्म किया। 2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में पदक जीता था। यह शूटिंग में भारत का पांचवां पदक है। मनु से पहले चारों एथलीट्स पुरुष थे। वह राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार के क्लब में शामिल हो गईं।

IAS कोचिंग सेंटर हादसा: 'खराब शहरी नियोजन की कीमत चुका रहे लोग', राहुल गांधी ने सरकार पर बोला हमला

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली में एक इमारत के बेसमेंट में जलभराव के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान बिजली का झटका लगने से एक छात्र की मौत हो गई थी। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान में हादसे को लेकर लोकसभा में विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में जलभराव में मृत तीन विद्यार्थियों की मौत पर शोक जताया। राहुल ने कहा कि लोग असुरक्षित निर्माण, खराब शहरी नियोजन (टाउन प्लानिंग) और संस्थानों की गैर जिम्मेदारी की कीमत चुका रहे हैं।राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली में एक इमारत के बेसमेंट में जलभराव के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान बिजली का झटका लगने से एक छात्र की मौत हो गई थी। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई। साथ ही कहा कि बुनियादी ढांचे का यह पतन सिस्टम की विफलता है। लोग असुरक्षित निर्माण, खराब टाउन प्लानिंग और हर स्तर पर संस्थानों की गैरजिम्मेदारी की कीमत अपनी जान गंवाकर चुका रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षित और आरामदायक जीवन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनको सुरक्षित जीवन जीने का माहौल दे।कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल- कोचिंग सेंटर में हुई घटना को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सरकार और एमसीडी पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है। बल्कि मानव निर्मित त्रासदी है। बेसमेंट में कोचिंग सेंटर कैसे चल रहा था? क्या उनके पास लाइसेंस था? क्या उनके पास सब कुछ था।卐 एमसीडी के कागजात? हमें इन सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे पर सवाल उठाना और आरोप-प्रत्यारोप करना बहुत आसान है। मगर इससे आम आदमी को परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी की सरकार असंवेदनशील है और यह गलत है। यह हुआ हादसा- शनिवार की शाम को कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से एक छात्र और दो छात्राओं की मौत हो गई। इनकी पहचान श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन के रूप में हुई है। तीनों के परिजनों को सूचना दे दी है। छात्रा श्रेया यादव यूपी के अंबेडकर नगर की रहने वाली थी। जबकि छात्रा तान्या तेलंगाना की रहने वाली थी। छात्र नेविन केरल का रहने वाला था। वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। करीब आठ महीने से वह सिविल सर्विस की तैयारी कर रहा था। हादसे के बाद कोचिंग सेंटर के मालिक और कॉर्डिनेटर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दोनों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

भोजपुरी को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने की मांग, रवि किशन ने लोकसभा में पेश किया प्राइवेट बिल

रवि किशन ने कहा कि लोग इस भाषा को गंभीरता से लेंगे। यह भाषा केवल बेकार गानों के बारे में नहीं है। यह इतना समृद्ध भाषा है कि इसमें साहित्य भी है। भोजपुरी के साहित्य को लोकप्रिय बनाने की जरूरत है।भोजपुरी सुपरस्टार और भाजपा सांसद रवि किशन ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लोकसभा में एक प्राइवेट बिल (विधेयक) पेश किया, जिससे कि इसे आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया जा सके। उन्होंने शुक्रवार को संविधान (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया। भाजपा सांसद ने बताया कि बोजपुरी भाषा केवल बेकार गानों के बारे में नहीं है, बल्कि इसका एक सांस्कृतिक इतिहास और साहित्य है, जिसे बढ़ावा देने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भाजपा सांसद ने कहा, 卐कई लोग इस भाषा को बोलते और समझते हैं। यह हमारी मातृभाषा है। मैं इस भाषा को बढ़ावा देना चाहता हूं। फिल्म इंडस्ट्री में भी यह भाषा चल रहा है और लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है। म्यूजिक इंडस्ट्री भी बहुत बड़ा है। उन्होंने आगे कहा, यह विधेयक केवल भोजपुरी साहित्य को बढ़ावा देने के बारे में है, जो बहुत समृद्ध है।रवि किशन ने कहा, लोग इस भाषा को गंभीरता से लेंगे। यह भाषा केवल बेकार गानों के बारे में नहीं है। यह इतना समृद्ध भाषा है कि इसमें साहित्य भी है। भोजपुरी के साहित्य को लोकप्रिय बनाने की जरूरत है। इस पर जोर देते हुए रवि किशन ने कहा, मैं अपने समुदाय को वापस भुगतान करना चाहता हूं। यह भाषा ही मेरी पहचान है। भोजपुरी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों के साथ-साथ कई अन्य देशों में रहने वाले लोगों की भी मातृभाषा है। मॉरीशस में लगभग 140 मिलियन लोग भोजपुरी बोलते हैं। विधेयक में बताया गया कि देश-विदेश में भोजपुरी फिल्म बहुत मशहूर है और इसका प्रभाव हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर भी पड़ा है। विधेयक में यह भी बताया गया कि कई विद्वानों के प्रयासों से भोजपुरी भाषा नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। कई भोजपुरी हस्तियों ने देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। इतना ही नहीं भोजपुरी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। बयान में कहा गया कि उत्तर प्रदेश और बिहार में भोजपुरी भाषा को उसका उचित स्थान दिलाने के लिए आंदोलन शुरू किए गए हैं, लेकिन भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में जगह नहीं मिली है।

संपादकीय Editorial

India's Olympic hopes

The 53rd Olympic Games have begun in Paris, the capital of France. These games will be played in the 'city of love' till August 11 and numerous examples of coordination, harmony and affection can be presented. 10,714 players from 206 countries of the world will participate in the Olympics. Out of them, 117 players from India will fight for medals and national honour in 16 sports and 69 events. About 100 years ago, in 1924, the Olympic Games were also organized in Paris, in which the Indian team participated officially for the first time. India's first female player also participated in the same Olympics. History is repeating the same, but today India is an independent and sovereign country. It is the 5th largest economy in the world. In order to hone the skills of the players and make them world class, India has spent Rs 470 crore on the players. The maximum amount of Rs 96 crore has been spent on athletics, so the country is also expecting medals. Two-time Olympic medallist in badminton PV Sindhu and 42-year-old table tennis veteran Sharath Kamal, who is playing Olympics for the fifth time, became the flag bearers of the Indian team. This is also a national honour. This time the maximum number of players have qualified for the Olympics, so the maximum number of players have been sent. There are many world champion players in the Indian team - Neeraj Chopra (javelin throw), Nikhat Zareen (boxing), Antim Panghal (wrestling) and Manu Bhaker (shooting) etc. There are also some players who have set records at the world level - Satwik Chirag's pair, Lakshya Sen, Sindhu (all badminton players), Vinesh Phogat (wrestling), Mirabai Chanu (weightlifting) and the men's hockey team. If only chess and cricket were also included in the Olympic Games, then their players would also be counted in the world class category! The budget of the Sports Ministry in India has been fixed at Rs 3442 crore. This is less than 0.01 percent of the country's GDP. Many developed countries in the West spend 0.2 percent to 0.6 percent on sports. In India, an average of Rs 25 per citizen is being spent on sports. Despite this, India is hopeful that this time its players will cross the double digit number of medals. In 2004, Brazil achieved its target by winning 10 medals. India won 6 medals including one gold medal in the Tokyo Olympics. It was a great achievement for the country, because India has remained medalless in most sports competitions. This time we can expect medal wins in sports like athletics, hockey, badminton, wrestling, weightlifting, boxing, shooting etc. At the international level, the players of these sports have defeated even the world champion teams and players. It is unfortunate and ironic that the women's hockey team which had secured fourth place in Tokyo Olympics, could not even qualify for Paris Olympics. This is incompetence at every level of sports and training. In weightlifting, no male player was considered eligible for Olympics. In women's category also, Mirabai Chanu is shouldering the responsibility alone. After her, no other female player is of Olympic level. India's representation in gymnastics is zero. Bhavani Devi has no successor in fencing and only one male wrestler is left. If we have world class players, then we will have to think about these sports also, which do not have even a single Olympic level player in a country with a population of 143 crores. Today, 21 players have qualified for Olympics in shooting. In archery, India's men and women teams have directly qualified for the quarter finals. Of course, this is an important victory, but the goal is still far away. The government should make efforts in the areas where sports are poor. There are many sports which are not traditional in India and do not have a solid legacy but world-class players are being produced.

It is important to know: On what conditions did Urvashi marry Pururvas, had to take birth on earth due to Brahma's curse

Due to Brahma's curse, Devlok's Apsara Urvashi had to take birth on earth. She got married to Pururvas here on a conditional basis. Due to Indra's deceit and Gandharva Tumburu's curse, Urvashi's conditions were violated. Once due to Brahma's curse, Devlok's Apsara Urvashi had to take birth on earth. Meanwhile, Budha and Ila had a son, whose name was Pururvas. After taking birth on earth, Urvashi met Pururvas. Seeing Urvashi's beauty,

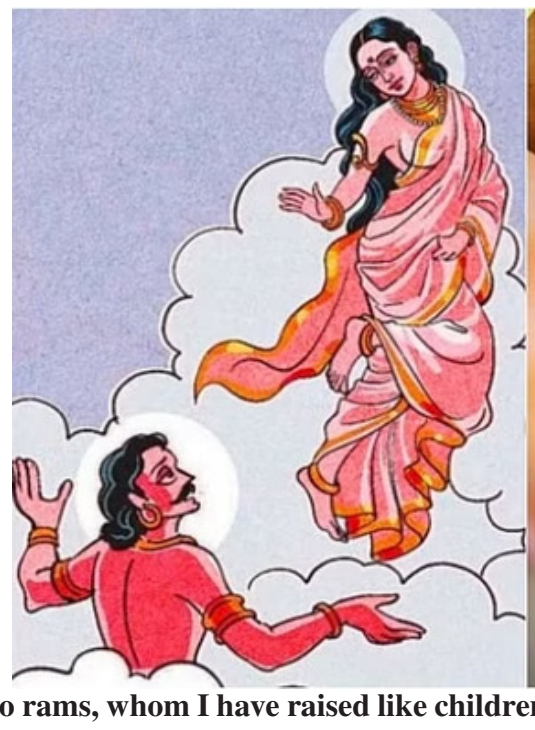

Pururvas proposed marriage to her. Urvashi said, 'Maharaj! I am an Apsara and I have taken birth on earth due to a curse. I will return to Devlok when the curse period ends. Why do you want to marry me?' Pururvas said, 'Urvashi! I am fascinated by your beauty, that is why I want to marry you. I promise to keep you happy always.' Urvashi said smilingly, 'It is possible that your promise may also break some day like your restraint. Therefore, if you want to marry me, then I have three conditions. If you violate any condition, then I will leave you and go to Devlok.' 'I accept. Tell me, what is your condition?' Pururvas asked. Urvashi said, 'The first condition is that I have two rams, whom I have raised like children. You will have to protect them. The second condition is that I consume only ghee, so do not force me to consume any other thing. The third and last condition is that except for sex, you will not come in front of me in a naked state.' Urvashi's three conditions were strange, but it was not difficult to fulfill them. Pururavas immediately accepted Urvashi's conditions and married her. Urvashi was well versed in dance and music. Pururavas also acquired knowledge of dance and music while living with Urvashi. One day Pururavas received an invitation from Indra for a dance and music program in Devlok. When Pururavas pointed out some flaws in the dance in Indra's court, a Gandharva named Tumburu became angry with Pururavas. He cursed Pururavas that he would soon have to separate from Urvashi. Urvashi was happy with Pururavas, but Indra missed Urvashi in his court. So he along with the Gandharvas devised a plan to call Urvashi back to Devlok... One day at midnight, Urvashi and Pururavas were engrossed in lovemaking. Then at the behest of Indra, some Gandharvas entered Pururavas' palace. He stole both of Urvashi's favourite rams and fled from the palace with them. The rams were frightened by the sudden attack in the darkness of the night and started screaming. Urvashi was worried when she heard the rams screaming. She said to Pururavas, 'Maharaj! Both my rams are screaming. They are in danger. My condition was that you have to protect the rams. So go immediately and save them from danger!' Pururavas was flustered on hearing the condition. Pururavas was naked at that time because he was engaged in sexual intercourse. In a hurry, he forgot Urvashi's second condition and he got out of the bed naked and ran after the rams to save them. Meanwhile, on Indra's signal, a strong lightning flashed in the sky and in that bright light, Urvashi saw Pururavas naked. Urvashi's condition was violated because she saw Pururavas naked at any time other than sexual intercourse. It was now certain that she would return to Devlok. Urvashi did not even wait for Pururvas to return and left him and went to Devlok. Indra's plan succeeded and Gandharva Tumburu's curse also came true. At last Pururvas had to separate from Urvashi. Pururvas was extremely saddened by Urvashi's departure. After some time he went to Badrikashram, where he worshipped Lord Vishnu. Vishnu was pleased and gave Pururvas a boon to meet Urvashi once a year. In due course of time, as a result of the union of Urvashi and Pururvas, they had six sons - Ayush, Shrutaayush, Satyaayush, Ray, Vijay and Jai.

Competition: Why the desire to always be on top? ... Talented people have to pay the price

The desire to remain on top for a long time at all costs is found all over the world. But the price of short-sighted and self-centered behavior is paid by more talented, junior colleagues and society as a whole. The United States is a country I know better than my own country. I first went there 38 years ago. Since then I have visited several times. My last visit to the US was in 2023, when Joe Biden was president. I spent about three weeks there then. It was clear then from talking to my friends and my own assessment that the President did a lot of good for the people of America during his tenure, which helped him leave behind the polarization caused by Donald Trump. Still, I felt that given his age and frailty, Biden should not think about a second term but rather tell his party to choose a better candidate in time. After his poor performance in the debate with Trump, pressure was mounting on him from Democratic donors, congressmen and senators to withdraw his candidacy. It is sad that Biden ignored the signals and thought about a second term. Surveys also showed him lagging behind his opponent, although Biden worked hard for several weeks until he was forced to withdraw his candidacy. The current US President's desperation to cling on to his post was not personal. It is an indication of how people who enjoy power and are commercially successful behave in every country. Even when they have become physically and mentally weak. In such a situation, these people start harming the institutions and the society they serve. In the Indian context, cricket fans may be well aware of such incidents. When a player is over thirty-five, it is difficult for him to perform like he used to. Few of them recognise the signs. Sunil Gavaskar is an exception, who quit the game after batting brilliantly in the World Cup. His best mate Gundappa Viswanath should have retired long ago. Kapil Dev and Sachin Tendulkar also played for a very long time. In every case, whether it was taking the most Test wickets or playing the most Test matches, personal ambition was put above the team. This desire to wield power at the top rather than allowing the youth to grow goes far beyond sports and politics. Many of our entrepreneurs have diminished their past contributions by directing the bodies they have set up, instead of giving this opportunity to more capable young people. The desire to remain at the top for a long time at all costs is found all over the world. This kind of desire affects the intellectual life as well. For example, the internationally reputed Economic and Political Weekly (EPW), published from Mumbai, was a journal that every scholar in India and the world was eager to read and publish. Journalists, bureaucrats and activists showed as much interest in EPW as scholars and researchers. Yet in recent years, the journal has declined in credibility. Once a topic of debate for Indian leaders, the journal now rarely publishes meaningful and powerful essays. It is now a pale shadow of its former self. The decline of EPW is in stark contrast to the self-renewal of another intellectual institution I am familiar with, the National Centre for Biological Sciences (NCBS) in Bengaluru. NCBS is a branch of the Tata Institute of Fundamental Research, established in Mumbai in the 1940s. In its first decade and a half, the branch was dominated by physicists and mathematicians. However, in the 1960s the branch recruited a brilliant young biologist, Obaid Siddiqui, who served for 20 years at the branch's main campus and moved to Bangalore to set up a new biological research centre. What I like most about NCBS is that it is the least hierarchical of any Indian academic institution. It is imbued with a spirit of collegiality and open intellectual exchange that is missing from most centres of scientific and industrial research, especially the IITs. Here the directors do not treat their younger colleagues well, who may do better research than them. Having seen Obaid Siddiqui closely, I have no doubt that he played a key role in fostering this democratic and participatory ethos. As soon as Obaid Siddiqui's term as director was over, he handed over the reins of NCBS to younger hands and moved on with his research. Had Obaid Siddiqui not been a genius, NCBS would not have flourished so much. Another reason for the lasting success of any institution is the structure of governance it adopts. The tenure of a NCBS board member is exactly three years. It can be renewed once or twice, but not more than that. The trust that runs EPW has a single member. In contrast, no one can be a 'lifetime' member here. The maximum term a person can serve on the NCBS board is nine years, while some trustees have served on the EPW board for over thirty years. In conclusion, I can say that the desire to hold office for long periods is more common among men than women. Obaid Siddiqui has been an exception. Countless Indian men in politics, sports, business and academia have done and continue to do things that the current US President wanted to do. Such short-sighted and self-centred behaviour is often costly to more talented junior colleagues and to society as a whole.

सगे चाचा ने की थी कारोबारी के पांच साल के बेटे की हत्या, संपत्ति लालच बना कारण, आरोपी को भेजा जेल

मुरादाबाद- मुरादाबाद पुलिस ने कारोबारी की बेटे की हत्या का खुलासा कर दिया है। हत्यारोपी कारोबारी का भाई ही निकला। पुलिस के मुताबिक संपत्ति के लालच में ही आरोपी ने घटना को

अंजाम दिया। कांठ थाना क्षेत्र के मोहल्ला ईदगाह नई बस्ती निवासी कारोबारी नसीमुद्दीन के पांच साल के बेटे अबुजर की अपहरण के बाद हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने बताया कि हत्यारोपी कोई और नहीं बल्कि उसका सगा चाचा ही निकला। बताया कि हत्यारोपी बहाने से भतीजे को अपने साथ ले गया था।इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। मामला संपत्ति का लालच निकला है। बैंडेज कारोबारी का बेटा अबुजर नगर के ही केसी पब्लिक स्कूल में नर्सरी में पढ़ता था। वह 25 जुलाई की दोपहर एक बजे से लापता था।अबुजर अपने घर के बाहर खेलने के लिए निकला था, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने तलाश शुरू की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये भी बच्चे की तलाश की जा रही थी, लेकिन उसका कोई भी पता नहीं लगा। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज की थी। शनिवार को पुलिस ने डॉग स्क्वाड की मदद से छानबीन शुरू की। इस दौरान शाम करीब सात बजे लापता अबुजर का शव नगर में ईदगाह के पास स्थित गांव महमूदपुर माफी निवासी अशोक के गन्ने के खेत से बरामद हुआ। उसके गले पर गहरा निशान था।

70 किमी साइकिल चलाकर कांवड़ियों का हाल जानने निकले डीआईजी, ड्यूटी में लगे कर्मियों से जानी परेशानी

मुरादाबाद- मुरादाबाद डीआईजी मुनिराज जी साइकिल पर सवार होकर मुरादाबाद से अमरोहा पहुंचे। इस बीच उन्होंने कांवड़ियों से बात कर उनकी परेशानी भी जानी। कांवड़ यात्रा के दौरान

पुलिस की तरफ से किए गए इंतजामों को भी देखा। डीआईजी मुनिराज जी रविवार की सुबह साइकिल से हाईवे पर कांवड़ियों की सुरक्षा का जायजा लेने निकले। मुरादाबाद से ब्रजघाट तक 70 किलोमीटर साइकिल चलाई। जगह-जगह कांवड़ियों से बात की। वहीं ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से फीडबैक लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।डीआईजी के आने की जानकारी मिलते ही जनपद पुलिस सतर्क हो गई। करीब छह घंटे से अधिक समय तक डीआईजी साइकिल से हाईवे पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। उनके मुरादाबाद वापस लौट के बाद पुलिस कर्मियों ने रात की सांस ली। 29 जुलाई को कावड़ यात्रा का दूसरा सोमवार है। इसलिए शाहजहांपुर, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, संभल और अमरोहा समेत कई जिलों के हजारों शिवभक्त बृजघाट से गंगा जल लेने पहुंच रहे हैं। हाईवे पर चलने वाले कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन बेहद सतर्क है। मुजफ्फरनगर में कावड़ यात्रा पर आतंकी हमले को देखते हुए अमरोहा पुलिस भी अलर्ट हो गई है। यही वजह है कि डीआईजी मुनिराज जी रविवार की सुबह छह बजे अपने सहयोगियों के साथ साइकिल से हाईवे पर निकल पड़े और अमरोहा होते हुए तीर्थ नगरी ब्रजघाट तक पहुंचे। इस दौरान हाईवे पर जगह-जगह डीआईजी ने कांवड़ियों से बातचीत की और उनका हाल जाना। इसके अलावा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से सुरक्षा का फीडबैक लिया। जैसे ही डीआईजी के आने की सूचना अमरोहा पुलिस को हुई तो सभी अचंभित रह गए। गजरौला क्षेत्र में डीआईजी ने सीओ स्वतेभ भास्कर और इंस्पेक्टर हरिश्चर्धन सिंह को आवश्यक निर्देश दिए। स्पष्ट कहा कि कांवड़ियों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ईमानदारी से जिम्मेदारी निभाएं। अगर किसी भी तरह की लापरवाही बरती गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में हत्या से सनसनी... अस्थायी गोशाला में बुजुर्ग केयर टेकर को सिर कुचलकर मार डाला

मुरादाबाद- शाहबाद में अस्थायी गोशाला के बुजुर्ग केयर टेकर की हत्या कर दी गई। उनका शव पानी की होदी से बरामद किया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। एसपी ने बताया कि आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में बुजुर्ग की हत्या का

मामला सामने आया है। शाहबाद कोतवाली इलाके के रामगंगा पुल स्थित अस्थायी गोशाला में बुजुर्ग केयर टेकर एवं बमनपुरी गांव निवासी लालमन (62) की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई।इतना ही नहीं हत्यारे शव को पशुओं के पानी पीने की होदी में फेंककर चले गए। रविवार सुबह गोशाला में जब ड्यूटी पर पड़ोसी गांव जाहिदपुर निवासी जगदीश आए तो उन्होंने शव देखा। उन्होंने शोर मचाया। शोर शराबा सुनने के बाद ग्रामीण इकट्ठे हो गए।उसके बाद सूचना शाहबाद कोतवाली पुलिस को दी गई। उधर फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर मौके से पत्थर और अन्य साक्ष्य इकट्ठे किए। मौके का मुआयना करने के लिए एएसपी अरुण श्रीवास्तव पहुंच गए। एसपी विद्याशंकर मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बारिश के कारण धंस गई लोकोशड पुल की सड़क, पुलिस ने कराई बैरिकेडिंग, मरम्मत कार्य शुरू

मुरादाबाद- बारिश के चलते लोकोशेड पुल की सड़क धंस गई। ट्रैफिक पुलिस ने खतरे को देखते हुए वहां पर बैरिकेडिंग करा दी है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने मौके पर पहुंच सड़क का काम शुरू करवा दिया है। बारिश के चलते लोकोशेड पुल की सड़क धंस गई। खतरे को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने वहां बैरिकेडिंग करा दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी पहुंच गए और सड़क की मरम्मत का काम शुरू करा दिया।दिल्ली रोड स्थित रेलवे लाइन के ऊपर बना लोकोशेड पुल कांठ रोड और रामपुर रोड को जोड़ता है। इस पुल से दिन-रात हजारों वाहन गुजरते हैं। बारिश के कारण शुक्रवार को पुल की सड़क में दरार पड़ गई।शनिवार को राहगीरों की सूचना पर ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच और बैरिकेडिंग करा दी। कुछ ही देर में पुल के किनारे सड़क का एक हिस्सा धंस गया। जानकारी मिलने पर पीडब्ल्यूडी के प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता कुलदीप संत मौके पर पहुंचे और ठेकेदार को तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। डीएम अनुज सिंह ने भी पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता से जानकारी मांगी। अधिशासी अभियंता ने बताया कि बारिश के कारण किनारे की सड़क धंसी है। पुल को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंची है। सड़क की मरम्मत कराई जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी लगभग तीन दशक पुराने इस पुल की मरम्मत की मांग की।

24 बदमाशों पर गैंगस्टर में कार्रवाई, गैंग बनाकर करते थे लूट, कई वारदातों को दे चुके अंजाम

मुरादाबाद- मुरादाबाद पुलिस ने 24 बदमाशों पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की है। यह बदमाश कई घटनाओं में शामिल थे। इनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं। मुरादाबाद जिले के अलग-अलग थानों में 24 बदमाशों पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की गई है। इन बदमाशों ने गैंग बनाकर लूट, हत्या, चोरी, गोकशी समेत अन्य अपराध किए हैं। सिविल लाइंस थाने में हरथला सोनकपुर निवासी सरगना सोनू कुमार और उसके दो सहयोगी विशाल और रवि के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में केस दर्ज किया गया है।तीनों आरोपी गिरोह चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। कटघर थाने में एकता विहार कॉलोनी निवासी सरगना सुहराब उर्फ सोहराब और गिरोह के सदस्य सलमान और फराज के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। तीनों गिरोह बनाकर हत्या और जान से मारने की धमकी देते थे।कांठ थाने में सलेमपुर निवासी सरगना हसीन अहमद और उसके सहयोगी बिजनौर जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र के अलमपुरी निवासी फैजान पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की है। बिलारी थाने में नई बस्ती रुस्तमनगर सहसपुर निवासी सरगना आसिम और उसके दो सहयोगी चौड़ा खड़ंजा निवासी छोटे और बलवीर के खिलाफ केस दर्ज किया है। तीनों गिरोह बनाकर अवैध शस्त्र फैक्टरी चलाते थे। मैनाठेर थाने में ताहरपुर निवासी सरगना फैजान उर्फ भूरा और उसके सहयोगी कुंदरकी के गाजीपुर निवासी वसीम, मैनाठेर के रसूलपुर हमीर निवासी दानिश, असदपुर निवासी फरीद और रामपुर के सैफनी थाना क्षेत्र के गांव बेरुआ ललवारा निवासी फरमान को गैंगस्टर का आरोपी बनाया गया है। पांचों आरोपी अवैध शस्त्र फैक्टरी चला रहे थे। भोजपुर थाने में डिलारी के ढकिया निवासी सरगना फैजान, उसके साथी सद्दाम, ढकिया जट निवासी मोहम्मद अली व उसके बेटे नईम, मोहम्मद लविस, ठाकुरद्वारा के मोहल्ला कुरैशियान निवासी शोएब, भोजपुर के मोहल्ला जामा मस्जिद निवासी अनीस और उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के दुर्गापुर कुंडा निवासी अशोक के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की है। आरोपी गिरोह बनाकर गोकशी और मांस तस्करी करते थे। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि 24 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की गई है।

वैक्सीन की सुरक्षा से खिलवाड़, ड्राई स्टोर तक में गंदगी

मुरादाबाद- जिले में सीएचसी व पीएचसी पर कोल्ड चेन सेंटरों का हाल काफी खराब है। इस बात का खुलासा यूनीसेफ के कर्मियों ने जून में अपने निरीक्षण में किया है। इस मामले में यूनिसेफ के जिला मोबिलाइजेशन समन्वयक रोहित कुमार सिंह ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में रिपोर्ट भी प्रस्तुत की है। ये रिपोर्ट कोल्ड चेन सेंटर पर इंतजामों के मामले में काफी चौकाने वाली है। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि कई सरकारी अस्पतालों में न तो स्टॉक रजिस्टर दुरुस्त हैं और न ही अग्निशमन यंत्र। यहां तक अस्पताल में मौजूद स्टॉक भी बेमेल मिला है।इस रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाएं सब हवा-हवाई हैं। जरूरी इंतजामों के मामले में जिला स्वास्थ्य केंद्र कटघर, फकीरपुरा, मझोला और सीएचसी कुंदरकी भी हैं, जहां इंतजाम नाकाफी पाए गए हैं। इन है।यही नहीं, कुंदरकी और रामपुर घोघर अस्पताल में नहीं किया जाना पाया गया है। कई सीएचसी पर कोल्ड नहीं है। वैसे नियमत- लॉगबुक को प्रतिदिन दो बार अपडेट बॉक्स रखने के लिए विशेष कमरा होता है, इसे ड्राई आवश्यक रहता है। लेकिन, कई सीएचसी के वार्डों में भी सफाई का अभाव है। वैक्सीन को कोल्ड चेन में सीमित तापमान सीमा में संग्रहित किया जाना चाहिए होने तक के लिए। अन्यथा बहुत अधिक या कम तापमान खत्म हो सकती है। एक बार जब कोई टीका अपनी

इसलिए टीकों (वैक्सीन) को कोल्ड चेन में रखना जरूरी रहता है। यूनिसेफ को कोल्ड चेन प्वाइंट पर मिलीं कमियां- रामपुर घोघर, भोजपुर, ठाकुरद्वारा, कुंदरकी, बिलारी, कटघर, मझोला, फकीरपुरा में कोल्ड चेन प्वाइंट पर माइक्रोप्लान तक उपलब्ध नहीं है। बिलारी, कुंदरकी, ठाकुरद्वारा सीएचसी पर टीके आइस लाइंड रेफ्रिजरेटर (आईएलआर) में सही ढंग से व्यवस्थित नहीं मिला। ठाकुरद्वारा, भोजपुर, कुंदरकी, मझोला के अस्पतालों में कोल्ड चेन प्वाइंट पर ड्राई स्टोर तक साफ नहीं पाए गए हैं। जिला अस्पताल और भोजपुर के कोल्ड चेन प्वाइंट पर स्टॉक रजिस्टर दुरुस्त नहीं पाया गया। जिला अस्पताल और रामपुर घोघर व कुंदरकी कोल्ड चेन प्वाइंट पर साप्ताहिक समीक्षा तक नहीं हो रही है। मझोला सीएचसी के कोल्ड चेन प्वाइंट पर अग्निशामक यंत्र समाप्त हो चुके हैं। जिला अस्पताल और भोजपुर व पाकबड़ा सीएचसी के कोल्ड चेन प्वाइंट पर स्टॉक बेमेल पाया गया। रामपुर घोघर, पाकबड़ा, महोला व फकीरपुरा सीएचसी के कोल्ड चेन प्वाइंट पर पावर बैकअप सुविधा उपलब्ध नहीं मिली। भोजपुर, कुंदरकी कोल्ड चेन उपकरण (सीसीई) लॉगबुक को प्रतिदिन दो बार अपडेट नहीं किया जा रहा है।

अस्पताल भी बेहतर नहीं है। इसी तरह शहरी प्राथमिक बिलारी, ठाकुरद्वारा, रामपुर घाघर, पाकबड़ा, भोजपुर, सीएचसी में यूनिसेफ ने कुंदरकी को बी श्रेणी में रखा बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण गाइडलाइन के अनुसार चेन के उपकरण (सीसीई) संबंधी लॉकबुक तक दुरुस्त किया जाना चाहिए। कोल्ड चेन सेंटर पर सिरिंज, कोल्ड स्टोर बोलते हैं। इसलिए यहां साफ-सफाई होना अति साफ-सफाई न होने की बात छोड़िए यहां तो ड्राई स्टोर में रखना जरूरी विशेषज्ञ बताते हैं कि टीकों को लगातार अर्थात वह जब से निर्मित होते हैं तब से लेकर टीकाकरण के कारण टीके की क्षमता (बीमारी से बचाने की क्षमता) क्षमता खो देता है, तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महुली में शाला प्रबंधन समिति शिक्षक सहित बच्चों ने किया वृक्षारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच

स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए माध्यमिक शाला और पीएम श्री प्राथमिक शाला महुली के विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बच्चों, शिक्षको शाला समिति प्रबंधक से वृक्षारोपण कराया गया। इस दौरान बच्चों ने फलदार और छायादार पौधे लगाए। दरअसल लगातार बढ़ रही वृक्षों की कटाई से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और तापमान में वृद्धि हो रही है। इसलिए पीएम मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान लोगों से एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ कर एक-एक पेड़ लगाने की अपील की थी। विद्यालय परिसर में लगभग 15 पौधे लगाये गए। शिक्षक पवन कुमार जायसवाल और भागीरथी सिंह ने कहा कि पेड़ लगाना बहुत ही अच्छी पहल है परंतु पेड़ लगा कर उसकी देखभाल करना बडी बात है। लोग अत्यधिक पौधे लगाकर उसकी देखरेख करने भूल जाते हैं। इसलिए एक पेड़ माँ के नाम एक बहुत ही अच्छी पहल है पेड़ की देखभाल भी माँ की तरह ही करनी होगी। तब ही पेड़ लगाने का उद्देश्य पूरा होगा। साथ ही सभी बच्चों को निर्देशित किया गया कि सभी बच्चे अपनी माँ के नाम पर घर में एक पौधा लगाएंगे और उसकी देखरेख माँ की तरह करेंगे। विद्यालय में 15 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए जिसमे माध्यमिक शाला प्रधानपाठक पवन कुमार जायसवाल,भागिरथि सिंह प्रधान पाठक पी.एम श्री प्राथमिक शाला महुली अखिलेश पटेल, योगेन्द्र सिंह,रेशम राठिया नताशा सिंह, लोली कुंवर वर्मा, संगीता सिंह सभी शिक्षक उपस्थित थे। समिति प्रबंधक प्राथमिक शाला अध्यक्ष मदनलाल जायसवाल वहीं माध्यमिक शाला समिति प्रबंधक अध्यक्ष मदन लाल साय,सहित छात्र-छात्राये उपस्थित थे। एक पेड़ मां के नाम अभियान- देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण को बचाने के लिए देशवासियों से पेड़ लगाने की अपील की पीएम मोदी ने मन की बात के 101 वें एपिसोड में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपील की कि सभी लोग एक पेड़ अपनी मां के नाम पर जरुर लगाएं, क्योंकि दुनिया में सबसे अनमोल रिश्ता मां से होता है। हम सबके जीवन में मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां हर दुख सहकर अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। पीएम मोदी की अपील के बाद पूरे देश में लोग मां के नाम पेड़ लगा रहे हैं। मां के सम्मान में लगाएं एक पेड़- पीएम मोदी इसके लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर एक खास अभियान शुरू किया. इस अभियान का नाम-एक पेड़ मां के नाम है. इस अभियान के तहत पीएम मोदी ने भी एक पेड़ मां के नाम पर लगाया है. साथ ही देशवासियों से दुनिया के सभी देशों के लोगों से ये अपील की है कि अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं. इस अभियान के बाद मां की स्मृति और उनके सम्मान में पेड़ लगाने का सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है.

पुरातन छात्र सम्मेलन में पुरानी यादें हुई ताजा

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। खंडेलवाल कॉलेज के शिक्षक शिक्षा संकाय में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि बरेली कॉलेज बरेली के दर्शनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 ऐ0 सी0 त्रिपाठी, महाविद्यालय के चेयरमैन गिरधर गोपाल, प्रबंध निदेशक डॉ0 विनय खंडेलवाल, श्रद्धा खंडेलवाल, प्राचार्य डॉ0 आर0के0 सिंह , डॉ0 अजय शंकर, डॉ0 निर्भय, डॉ0 दीपिका , डॉ0 सुहैल,प्रशासनिक अधिकारी राकेश चतुर्वेदी एवं समस्त प्रवक्ताओ द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य इस संस्था में पूर्व में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों द्वारा अपने जीवन में की गई उपलब्धियां से वर्तमान में अध्यनरत विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर सत्र 2007 से 2023 तक के इस संस्थान से पढ़कर निकले विद्यार्थी एक बार फिर से संस्थान में वापस आकर मिले और अपने पुराने दिनों की खट्टी मीठी यादों को साझा कर संस्थान से अपने जुड़ाव को महसूस किया। सिद्धान्त, डॉ0 दीपिका, दिव्या चौधरी,निर्भय गुज्जर, डॉ0 निशा शर्मा,मणि मिश्रा,बृजमोहन ने कहा महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है और यहां पढ़े हुए विद्यार्थी देश दुनिया में अपनी योग्यता का परचाप लहरा रहे हैं और बड़े-बड़े पदों पर रहकर इस महाविद्यालय के गौरव को बढ़ा रहे हैं। प्राचार्य डॉ0 आर0 के सिंह जी ने कहा कि यादों में जीवन के सुनहरे पलों को संजोने की ताकत होती है और पुरातन छात्र सम्मेलन ऐसे यादों को साझा करने का एक उपयुक्त मंच है। उन्होंने समस्त अतिथियों एवं पुरातन छात्रों का कार्यक्रम में सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा सभी वर्तमान छात्रों को अपने कर्तव्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित भी किया।कार्यक्रम के अंत में पुरातन छात्रों और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान कर डॉ0 कल्पना कटियार द्वारा उनका धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन महाविद्यालय के प्रवक्ता नृपेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने डॉ0 शिव स्वरूप शर्मा, डॉ0सविता सक्सेना,ले0 रचना, दिया ओली , शुभ्रा त्रिवेदी एवं समस्त विद्यार्थियों का पूर्ण सहयोग रहा।

गांव आनंदपुर के इमलीपारा में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल से लगाया गया नया ट्रांसफार्मर

क्यूँ न लिखूँ सच

ओड़गी-सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा के जनपद पंचायत ओड़गी अंतर्गत ग्राम आनंदपुर के ग्रामीणों में खुशी की लहर छाई है. क्योंकि नए ट्रांसफार्मर लगने से आनंदपुर का पंडों बहुल्य इमली पारा जगमगा उठा है. वहां के ग्रामीण लगातार लो वोल्टेज की समस्या से लंबे समय से परेशान थे.यहां के किसानों की धान की रोपाई कार्य पर्याप्त वर्षा न होने के कारण बाधित हो रहा था. किसानों का कहना था कि यदि बिजली रहेगी तो हम मोटर पंप के जरिए नदी के पानी से धान की रोपाई कर सकेंगे.इन सभी समस्याओं को मोहल्लेवासियों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री व क्षेत्रीय विधायिका लक्ष्मी राजवाड़े को अवगत कराया. मंत्री ने किसानों और मोहल्लेवासियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों को नया ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए.मंत्री के निर्देशन में तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगाया गया. नए ट्रांसफार्मर के लगने से मोहल्लेवासियों में खुशी व्याप्त है और समस्त मोहल्लेवासियों ने कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का आभार व्यक्त किया है. इस मौके पर आनंदपुर सरपंच दिलीप , भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल ओड़गी मीडिया प्रभारी प्रियंशु यादव, महावीर, दिलबरन पंडों, पवन पंडो, सोनू प्रसाद, जतन लाल पंडो, गोलू बियार, बचन लाल,जगलाल, लालबहादुर पंडों, गंगाराम व मोहल्लेवासी उपस्थित रहें.

ग्राम पचीपुरी मे स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गयी

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) आज शनिवार को विकास खंड कोंच के ग्राम पचीपुरी मे निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सर्व शिक्षा अभियान द्वारा स्कूल चलो अभियान रैली का आयोजन किया गया इस स्कूल चलो अभियान मे प्राथमिक विद्यालय पचीपुरी के छात्र छात्रों ने रैली निकाली गयी इस रैली मे मुख्य अतिथि गाँव के मोजुदा प्रधान अवधेश पटेल ने रैली को सम्बोधित करते हुये कहा की इस रैली का मुख्य उदेश्य गाँव मे कोई बच्चा पड़ने से न छूटे उन्होंने कहा की गाँव मे बच्चो को पढाई के लिये लोगो को अपने अपने बाल बच्चो को स्कूल जरूर भेजना चाहिए दोर मे बच्चो को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए लोग जागरुक रहे उन्होंने कहा हर घर मे एक दीप जलेगा हर बच्चा स्कूल चलेगा इस अवसर पर रैली पूरे गाँव मे निकाली गई इस दोरान सचिव बसीम खां स्कूल के प्रधानाध्यापक बबली निरंजन माध्यमिक स्कूल के प्रधानाचार्य मीना कुमारी बाजपेयी शिक्षक अमर सहित कई छात्र छात्राएं और गाँव वासी मौजूद रहे

पंखे मे करेंट आने के कारण वृद्ध पति पत्नी की दर्दनाक मौत, इस दुखद घटना को लेकर घर मे भारी शोक

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) कोंच कोतवाली के अंतर्गत ग्राम कुवरपुरा मे आज शनिवार को सुबह के समय करेंट की चपेट में आने दंपत्ति की मौत की खबर मिली है मिली जानकारी मे ग्राम कुँवरपुरा निवासी लालता प्रसाद वर्मा पुत्र मुलु अपने परिवार के साथ रहते है और अपने घर मे सुबह के समय अपना पँखा सुधार रहे थे की उसी समय लाईट आ गई और वह उस पंखे से आ रहे करेंट की चपेट मे आ गए और चिललाये तभी वहाँ पर उनकी पत्नी शांति देवी ने जब यह देखा की मेरे पति पंखे मे चिपक गये तो वह उन्होंने बचाने के लिये दोडी लेकिन वह भी करेंट के तेज प्रभाव मे आकर चिपक गयी और कुछ देर बाद दोनो वृद्ध पति पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई ाटना को लेकर गमगीन है

अजय कुमार चौधरी ने कार्यालय पर की जिला स्तरीय कार्यकारिणी बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी के दिशा निर्देश पर रत्नापुर कार्यालय पर जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी को अवगत कराया गया था दिनांक 28.7.2024 को एक समीक्षा की जाएगी क्यों कि किसानों का काम लगभग खत्म हो चुका है जनपद में किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर एक विचार विमर्श किया गया और छोटे किसानों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने की बात भी की जिले के सभी पदाधिकारीयो को निर्दशित किया एवं आने वाले अंगंतुक प्रदेश अध्यक्ष पण्डित राज पाल शर्मा भा0 कि0 यु0 (टिकैत) के स्वागत की समीक्षा की गयी प्रमोद तिवारी , सीताराम वर्मा , धनीराम (आजाद) दिनेश वर्मा, हरिद्वार प्रसाद यादव, जिलेदार मौर्मा, प्रमोद कुमार वर्मा सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे

गजब खेल फाल्टी नंबरों का: थार अलीगढ़ में और स्कूटी के नाम से नोएडा में कटा चालान

नरेंद्र पचौरी की महिंद्रा थार यूपी 14 ई वाई 5335 नंबर पर पंजीकृत है। दो दिन पहले उन्होंने ऑनलाइन अपने वाहन की स्थिति जांची तो गाड़ी के इस नंबर पर एक चालान हाजीपुर चौराहा, नोएडा में एक हजार रुपये का बिना हेलमेट स्कूटी चलाने पर हुआ है। सीसीटीवी कैमरों के दौर में वाहनों को चालान से बचाने के लिए कुछ लोग नित नए हथकंडे अपना रहे हैं। कभी वह अपनी नंबर प्लेट छिपा लेते हैं तो कभी नंबर से छेड़छाड़ कर उसे फाल्टी बना देते हैं। ऐसे ही एक प्रकरण में अलीगढ़ के महिंद्रा थार स्वामी का नोएडा में चालान हुआ है। हैरानी की बात यह है कि उस दिन उनकी थार अलीगढ़ में थी और पोर्टल पर उनके वाहन नंबर पर स्कूटी के चालान का मैसेज मिला है। इसके पीछे स्कूटी सवार की मंशा चालान से बचने की है या किसी अपराध के इरादे की। यह तो जांच में साफ होगा। फिलहाल थार स्वामी ने एसपी यातायात के यहां शिकायत दी है, जिस पर उन्हें नोएडा जाने की सलाह दी गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि अगर इस स्कूटी सवार ने कोई अपराध कर दिया और पुलिस ने इसे ट्रेस किया तो पुलिस उन पर शिकंजा कसेगी।जनवरी से अब तक ऐसे ही फाल्टी नंबरों पर जिले में ग्यारह हजार से अधिक चालान अब तक हुए हैं। दस से बारह ऐसी शिकायतें प्रतिमाह पुलिस के यातायात कंट्रोल को मिलती हैं कि उनकी चार पहिया गाड़ी के नंबर पर किसी दोपहिया वाहन का चालान आ गया है। जब जांच होती है तो पकड़ में आता है कि दोपहिया वाहन चालक मिलता-जुलता नंबर लगाकर गाड़ी चला रहा था। आई ट्रिपल सी कंट्रोल रूम और पुलिस के चालान सिस्टम में फाल्टी नंबरों पर विशेष नजर रखी जाती है। उन पर लगातार चालान किए जाते हैं। रहा सवाल नंबर प्लेट बदलकर चलने का तो उन्हें भी चालान के जरिये पकड़ा जाता है। कुछ चालान कभी-कभी गलत फीड हो जाते हैं, उन्हें शिकायत पर हटवाया जाता है।-मुकेश चंद्र उत्तम, एसपी यातायात। ये हैं ताजा उदाहरण- शहर के आईटीआई रोड निवासी नरेंद्र पचौरी की महिंद्रा थार यूपी 14 ई वाई 5335 नंबर पर पंजीकृत है। दो दिन पहले उन्होंने ऑनलाइन अपने वाहन की स्थिति जांची तो गाड़ी के इस नंबर पर 4 जून को एक चालान हाजीपुर चौराहा, नोएडा में एक हजार रुपये का बिना हेलमेट स्कूटी चलाने पर हुआ है। चालान में दर्ज फोटो में स्कूटी सवार दो युवक दिख रहे हैं, जिसकी नंबर प्लेट पर उनकी गाड़ी का नंबर अंकित है। उन्होंने एसपी यातायात अलीगढ़ को लिखित शिकायत दी है। जिले में यह है स्थिति 11821 फाल्टी चालान अलीगढ़ जिले में जनवरी से अब तक। 30 हजार चालान प्रतिमाह जिले में किए जाते वाहनों के। आठ से दस हजार चालान यमुना एक्सप्रेसवे पर ओवरस्पीड के। फाल्टी नंबर पर चालान में यह होती है कार्रवाई- यातायात नियमों के अनुसार, अगर किसी वाहन की नंबर प्लेट पर नंबर से छेड़छाड़ कर उसे फाल्टी किया गया है और चेकिंग में पकड़ा जाता है तो पहली बार में एक हजार रुपये का जुर्माना चालान होता है। दूसरी बार में पांच हजार रुपये का चालान है और तीसरी बार में वाहन सीज किया जाता है। अगर चालक की नीयत किसी अपराध या जानबूझकर किसी को परेशान करने की होती है तो मुकदमे का भी प्रावधान है। पकड़े भी गए हैं कई वाहन- जिले के यातायात कंट्रोल सेंटर ने पिछले कुछ समय में ऐसे वाहन पकड़े भी हैं। पिछले दिनों गुरुग्राम के व्यक्ति के पास अलीगढ़ के चालान का मैसेज पहुंचा। उसने अलीगढ़ कंट्रोल को संपर्क किया और बताया कि वह तो कभी अलीगढ़ आया ही नहीं। फिर कंट्रोल सेंटर ने उस बाइक को सीसीटीवी सर्विलांस पर लिया, जिस पर गुरुग्राम के व्यक्ति के वाहन की नंबर प्लेट लगी थी। बाद में पता चला कि वह चोरी की गाड़ी पर नंबर प्लेट लगाकर चला रहा था। इसी तरह अलीगढ़ ने ही दिल्ली पुलिस की चोरी हुई एक दोपहिया बाइक भी इसी तरह चालान के दौरान पकड़ी। उस पर भी नंबर बदलकर चलाया जा रहा था। चालान सही नंबर के स्वामी पर पहुंचा तो वह पुलिस के पास आया। बाद में वह बाइक पकड़ी गई। इसी तरह का एक प्रकरण धौर्रा के रफीक के साथ हुआ। उनकी बाइक का झांसी में चालान कटा था। वे कभी झांसी गए ही नहीं थे। बाद में उन्होंने शिकायत कर उसे सुधरवाया था।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दहेज के लिए देवर करते हैं छेड़छाड़

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ इगलास। कोतवाली की गोरई चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता का कहना है कि उसकी शादी 23 जून 2023 को जिला हापुड़ के पुलखुआ निवासी गौरव के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और ताना देने लगे। दहेज की मांग पूरी न होने पर दो देवरों द्वारा छेड़छाड़ व अभद्रता की जाती। जब वह गर्भवती हुई तो सास व पति ने दवा खिलाकर गर्भ गिरवा दिया। कई बार मायके पक्ष ने ससुरालीजन से समझौता कराकर उसे ससुराल भेज दिया। लेकिन, उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। विगत पति गोरई छोड़कर चला गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना के संबंध में पति, सास, ससुर, देवर के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की गई है।

भारतीय हलधर किसान यूनियन के संगठन से किसानों को जोड़ा गया

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ मे भारतीय हलधर किसान यूनियन के संगठन को मजबूती के साथ खड़ा करने के लिए जमीनी इस्तर से किसान भाइयों को जोड़ा गया आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री धीरेंद्र सिंह सोलंकी जी के हाथों को मजबूती प्रदान करने हेतु संगठन बढ़ाने का कार्य किया गया चंद्रावती देवी को ग्राम सभा महिला मोर्चा अध्यक्ष, राम प्रकाश जी को ग्राम सभा कोषाध्यक्ष, श्री लालाराम जी को ग्राम सभा उपाध्यक्ष श्री टोड़ी सिंह जी को ग्राम सभा सचिव, श्री तालेवर सिंह जी ग्राम सभा सचिव, श्री नारायण सिंह जी को ग्राम सभा महामंत्री, सभी को पदों पर नियुक्त किया गया संतुष्टि आदरणीय प्रदेश महासचिव श्री राकेश सिंह प्रधान जी लवकुश ठाकुर वीआईपी पत्रकार मीडिया प्रभारी रहीं हमें आशा है यह सभी लोग ईमानदारी से भारतीय हलदर किसान यूनियन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े रहेंगे भारतीय हलधर किसान यूनियन जिंदाबाद माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी जिंदाबाद माननीय राष्ट्र मुख्य महासचिव जी जिंदाबाद एवं सभी वरिष्ठ पदाधिकारी जिंदाबाद जय जवान जय किसान

श्री शिव गुलजारी वाला शिवालय पर बारहवां विशाल कावड़ सेवा शिविर आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। श्री शिव गुलजारी वाला शिवालय के सामने बारहवें विशाल कावड़ सेवा शिविर पानीपत रोड पर लगाया गया यह श्री शिव भक्त कावड़ियों के लिए कावड़ सेवा शिवा यर 26 जुलाई से 2 अगस्त तक निरंतर शिव भक्त कावड़ियों की सेवा के लिए यह शिविर चलता रहेगा इस शिविर में हरिद्वार से जल भरकर आ रहे कावड़ियों के लिए खाने में ठहरने के लिए एवं चिकित्सा के की पूरी व्यवस्था की गई है यह शिविर गुलजारी वाले शिव मंदिर के महंत शैलेंद्र गिरी जी के सानिध्य में लगाया गया है उन्होंने ने कहा कावड़ियों के लिए हर प्रकार से उत्तम व्यवस्था की गई है महंत श्री ने यह भी कहा कि हरिद्वार से आ रहे शिव भक्त कावड़ियों की व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई भी कमी नहीं होनी चाहिए उनके लिए सारी व्यवस्था पूर्ण रूप से होनी चाहिए।

बाबा भोलेनाथ को अपने कंधे पर बिठाकर भोला आ रहा है हरिद्वार से दिल्ली के लिए

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली शामली बाबा भोलेनाथ को अपने कंधे पर विराजमान कर भोला आ रहा अंकित भोला है हरिद्वार से अंकित भोले का यह कहना है कि मैंने अपने बाबा भोलेनाथ को अपने कंधे पर हरिद्वार से विराजमान कर 22 तारीख को हरिद्वार से चला हूं और अपने मंजिल दिल्ली तक पहुंचने तक अपने बाबा भोलेनाथ को अपने कंधे पर बिठाकर ही लेकर जाऊंगा फिर दिल्ली पहुंचकर मैं अपने बाबा भोलेनाथ का जल अभिषेक करूंगा मैं निरंतर हरिद्वार से बाबा की भक्ति में लीन होकर चल रहा हूं यह बाबा की मुझ पर असीम कृपा है की बाबा भोलेनाथ मेरे कंधे पर विराजमान होकर मेरी साथ चल रहे हैं

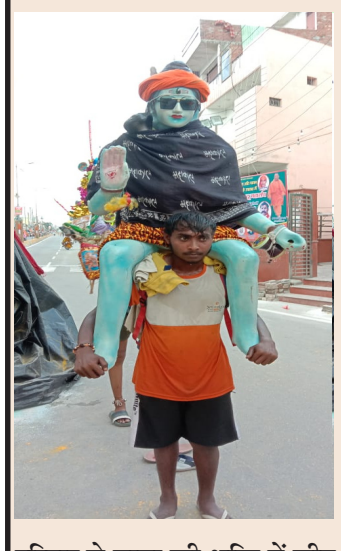

मां के कांधे पर मन्नत की कांवड़... गोद में लाडला; शिव की भक्ति में महिलाएं भी पीछे नहीं

प्रबल इच्छा और शिव की भक्ति की शक्ति के साथ शिवभक्त सुबह से शाम तक मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं। किसी मां के कंधे पर मन्नत की कांवड़ है जो अपने लाल को गोद में लिए पग-पग आगे बढ़ रही है तो कुछ बुजुर्ग किसी जवान की तरह पूरे जोश के साथ कांवड़ लेकर चल रहे हैं। युवाओं की टोली शिविरों में नाचते-गाते हुए शिव का गुणगान कर रही है। दिल्ली और हरियाणा से बड़ी संख्या में शिवभक्त बाईपास और दिल्ली रोड से गुजर रहे हैं। टोल प्लाजा से परतापुर तक 150 शिविरों के माध्यम से पूरा शहर कांवड़ियों की सेवा में जुटा है। महाकाल का रौद्र रूप, शिवलिंग, शिव परिवार लाइटों से सुसज्जित झांकी कांवड़ हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।65 की उम्र में 700 किमी की यात्रा- पलवल निवासी 65 वर्षीय वह गंगोत्री से कांवड़ रामकिशन ने बताया कि लोमीटर आगे ला रहे हैं। पलवल से तीस जुलाई को परिवार की हसनपुर में रहते हैं। 15 दीर्घ आयु के लिए खुशहाली और बच्चों की शिव की सभी पर कांवड़ उठाई। भगवान वातावरण रहे, इसके कृपा और शांतिपूर्ण रहा हूं। 15 जुलाई को लिए पहली बार कांवड़ला शनिवार को मेरठ गंगात्री से चले और किलोमीटर की यात्रा पहुंचे हैं। उन्हें करीब 700 को हसनपुर पहुंचना करनी है और एक अगस्त के लिए मां लाई है।मन्नत हुई पूरी तो बच्चों अमित और संगीत ने कांवड़- गुरुग्राम निवासी साल बाद बेटे ध्रुव का बताया कि विवाह के चार से मन्नत मांगी थी। जन्म हुआ। भगवान शिव लेकर कांवड़ ला रहे मन्नत पूरी होने पर बच्चे को का हो गया है। हैं। बच्चा अब ढेढ़ साल बताया भगवान शिव मोदीनगर निवासी पूजा ने विष्णु दो संतान की कृपा से वंश और मिली। बच्चों की लंबी उम्र और उज्ज्वल भविष्य के लिए बच्चों के साथ कांवड़ ला रहे हैं। सोनिया और बंटी ने बताया कि बच्चों की दीर्घ आयु के लिए कांवड़ ला रहे हैं। दिल्ली निवासी सोनिया और बंटी ने बताया कि वे 12 साल से कांवड़ ला रहे हैं।व्हीलचेयर के सहारे जल लेने गया हरिद्वार- नेशनल हाईवे- 58 पर सावन के पवित्र महीने में अद्भुत नजारे देखने को मिल रहे हैं। दिल्ली 92 निवासी गुलशन पुत्र कश्मीरी लाल ने बताया कि वह टेंपो चलाने का काम करता था। सात महीने पूर्व एक हादसे में ट्रक का पहिया उसके पैर पर चढ़ गया था। उसके सीधे पैर की हड्डियां टूट गई थी। उसके पैर में लगभग 40 से अधिक टांके हैं। बताया कि उसने भगवान शिव से पैर ठीक होने की मन्नत मांगी थी। भगवान शिव ने उसकी मन्नत पूरी कर दी थी। वह व्हीलचेयर के सहारे कांवड़ यात्रा कर रहा है।चार साल के शिवांश के सपने में आए भोले तो उठाई कांवड़- भोलेनाथ की महिमा अपरंपार है। चार साल के बच्चे के सपने में आए और कांवड़ के लिए प्रेरित किया। दिल्ली के शिवांश ने यह बात अपने परिजनों को बताई तो उन्होंने बच्चे को पहली कांवड़ उठवाई। 22 जुलाई को सावन की रात्रि भगवान शिवशंकर दिखाई दिए। आशीर्वाद देते हुए कांवड़ उठाने को कहा। बताया कि बेटे ने रात्रि में ही पिता शिवांकर को उठाया और सपने के बारे में बताया। इस पर शिवांकर ने 23 जुलाई को हरिद्वार में छोटी कांवड़ बनवाकर बेटे को पहली कांवड़ उठवाई। शिवांश पैदल कांवड़ लेकर आ रहा है। शनिवार को वह दिल्ली जाने के लिए मोदीपुरम पहुंचे। इससे इतर बच्चों के साथ कांवड़ लाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।शिव महाकाल ग्रुप लाया कांवड़- कंकरखेड़ा व्यापार संघ के सेवा शिविर में पहुंचे शिव महाकाल ग्रुप के 24 युवाओं ने बताया कि उनकी टीम अच्छी नौकरी और मजबूत दोस्ती की मंशा के साथ कांवड़ ला रही है। मनोज, वीरू, विकास, राहुल, सन्नी आदि उनकी टीम में हैं। मनोज ने बताया कि वर्ष 2001 में वे कांवड़ लेने जा रहे थे, तब कंकरखेड़ा बाईपास पर बस और ट्रक की टक्कर हो गई। इसमें तीन कांवड़ियों की मौत हो गई और वह गंभीर रूप से घायल हुए लेकिन जान बच गई। तभी से वह निरंतर कांवड़ ला रहे हैं।बागपत बाईपास पर मां कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ- बागपत बाईपास पर मां कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ पूर्व विधायक अमित अग्रवाल, आरएसएस से फूल सिंह, एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज, विधायक अमित अग्रवाल, अमित गुप्ता मूर्ति, अमित चौधरी, पंकज ने किया। विधिविधान से शिविर में पूजन किया गया। अमित गुप्ता मूर्ति ने बताया कि जर्मन पंडाल लगाया गया है। फास्ट फूड, आइस्क्रीम, जूस सहित 64 प्रकार के पकवान कांवड़ियों को परोसे जा रहे हैं। वहीं, श्रद्धापुरी के पास भाजपा नेता अमित सोलंकी व महाकाल सेवा समिति की ओर से कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कैंट विधायक अमित अग्रवाल और महानगर उपाध्यक्ष विवेक रस्तोगी ने किया। इस दौरान अदिति चंद्रा,अरविंद, अनामिका, आदित्य, विकी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सेवा भारती ने चिकित्सा शिविर लगाया- सेवा भारती ने बागपत बाईपास पर कांवड़ियों के लिए चिकित्सा सेवा शिविर लगाया। उद्घाटन पूर्व प्रांत कार्यवाह फूल सिंह ने किया। प्रांत सह मंत्री विपिन सिंघल ने बताया कि शिविर 31 जुलाई तक चलेगा। स्वयं सेवकों के द्वारा कांवड़ियों को 24 घंटे सेवा दी जाएगी। खड़ौली बाईपास पर कैंट विधायक अमित अग्रवाल ने शिव कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया। गायत्री मंत्र के उच्चारण के बाद यज्ञ में महामृत्युंजय मंत्र के साथ आहुति दी गई। इस दौरान दुष्यंत रोहटा, विनय सहगल, मुकेश सैनी, अनुज, सुशील शर्मा, अरुण मलिक रहे।स्वास्थ्य विभाग के साथ रेडक्रॉस ने लगाया शिविर- भारतीय रेडक्रास सोसायटी और स्वास्थ्य विभाग की ओर से जीरो माइल शिवाजी चौक पर चिकित्सा शिविर लगाया गया। उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कटारिया, रेडक्रास के पूर्व चेयरमैन अजय मित्तल ने किया। सीएमओ अशोक कटारिया को सम्मानित किया गया। अजय मित्तल ने बताया कि शिविर में 24 घंटे सेवाएं दी जाएंगी। इस अवसर पर डॉ. अशोक अरोड़ा, पंकज मंगल, मनमोहन अग्रवाल, अजय गुप्ता, करुणेश नंदन गर्ग, पवन मित्तल रहे।

कोतवाल विरेन्द्र कसाना ने कांवड़ियों पर की पुष्प वर्षा, भोजन और दूध का प्रसाद वितरित किया

क्यूँ न लिखूँ सच

कैराना। नगर के पब्लिक इंटर कॉलेज में चल रहे कांवड़ कैंप में नगर पालिका के वरिष्ठ सफाई लिपिक रविंद्र कुमार, विपुल पवार, सूरज, राज कपूर, त्रिलोक के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर आरती भी हुई। वहीं सभी को सम्मानित किया गया। शनिवार की शाम नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज में पिछले कई वर्षो से लगते आ रहे शिविर का विधि-विधान ओर मंत्रोचारण के साथ 5 वे दिन का आरम्भ किया गया। इस अवसर पर आरती की गयी। जिसमें अधिकारियों के साथ-साथ शिविर संचालकों तथा शिवभक्त कांवड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान कैराना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विरेन्द्र कसाना एवं चौकी किलागेट प्रभारी उपनिरीक्षक आनंद यादव पुलिस बल के साथ पब्लिक इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार पर पहुंचे। जहाँ पर उन्होंने कावड़ मार्ग से गुजर रहे सभी शिव भक्तों का पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत किया और उन्हें गर्म गर्म दूध और भोजन ग्रहण कराया। साथ ही शिव भक्तों की सेवा करते हुए उन्हें भोजन ओर प्रसाद ग्रहण कराया। शिव भक्त कांवड़ियों ने भी की कोतवाल वीरेंद्र कसाना की प्रशंसा की। शिव भक्त कावड़ियों ने भी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के ऊपर पुष्प वर्षा करते हुए व्यवस्था को लेकर कैराना पुलिस की तारीफ की। वही ढोल नगाड़े और डीजे की ताल पर सभी शिव भक्त झूमते नजर आए और पूरा वातावरण शिवमय हो गया। कमेटी के पदाधिकारीगणों द्वारा बताया गया कि इस वर्ष भी कैराना कावड़ सेवा शिविर संस्था के द्वारा कैराना नगर में विशाल शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें शिव भक्त कांवड़ियों के रुकने के लिए स्वच्छ वातावरण, शुद्ध पेयजल, भोजन प्रसाद ओर चिकित्सा सुविधा आदि की व्यवस्था की गई है। जिसमें नगर के सभी धर्म प्रेमियों का पूरा सहयोग हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मिल रहा है। इस दौरान आशु, आलोक, अभिषेक, संजू वर्मा, सुशील सिंघल, राहुल, अमित कुमार, जयपाल कश्यप, संजय कम्बोज, अतुल गर्ग, सागर गर्ग, राजेश, विजय, नारायण, सभासद शगुन मित्तल एडवोकेट सहित आदि मौजूद रहे।

आपरेशन क्लीन' अभियान के अन्तर्गत थाना झिंझाना द्वारा करीब 15 लाख रुपये की शराब को नष्ट किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा चलाये जा रहे 卐आपरेशन क्लीन卐 अभियान के क्रम में माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में जिलाधिकारी शामली व पुलिस अधीक्षक शामली रामसेवक गौतम के निर्देशन में जनपद शामली के थाना झिंझाना पर मुकदमों से सम्बन्धित मालखाने में रखी माल मुकदमाती शराब को नष्ट कराये जाने हेतु माननीय न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शामली के द्वारा दिनांक 18.07.2024 आदेश किया गया था। उक्त आदेश के अनुपालन हेतु जिलाधिकारी शामली द्वारा एक संयुक्त टीम गठित की गयी। उक्त क्रम में आज दिनांक 27.07.2024 को गठित टीम उपजिला मजिस्ट्रेट तहसील ऊन, क्षेत्राधिकारी सर्किल कैराना, संयुक्त निर्देशक अभियोजन, आबकारी निरीक्षक व प्रभारी निरीक्षक थाना झिंझाना, चौकी प्रभारी ऊन की उपस्थिति में थाना झिंझाना के मालखाने में रखी मुकदमों से सम्बन्धित कच्ची शराब, देशी शराब व अंग्रेजी शराब की सूची के मुताबिक कुल 132 अभियोगों के मालों को जे.सी.बी. से गढ्ढा खुदवाकर नष्टीकरण की कार्यवाही की गयी नष्टीकरण की कार्यवाही के दौरान देशी शराब (बोतल, पव्वे), अंग्रेजी शराब (बोतल, पव्वे) एवं कच्ची शराब (कीमत करीब 15 लाख रुपये) नष्ट की गई।

पुलिस ने मात्र 20 मिनट में कांवड़िए का गुम मोबाइल किया बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

कैराना। - नगर के पर पब्लिक इंटर कॉलेज में लगे कावंड़ियों के शिविर में रुके एक शिव भक्त कावंड़िये का सोते समय मोबाइल गुम हो गया था। गुम मोबाईल को कैराना कोतवाली पर तैनात कांस्टेबल अमित चौधरी ने मात्र 20 मिनट में बरामद कर शिव भक्त कांवड़िये को सौंप दिया। शिविर में रुके कावड़ियों ने कैराना पुलिस की प्रशंसा करते हुए आभार जताया। शिव भक्त कांवड़िये मुनीश ने बताया कि वह हरिद्वार से जल लेकर अपने घर गांव किरमारा जिला हिसार जा रहा था। रास्ते में थकान के कारण वह कस्बा कैराना के शामली रोड पर स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज में लगे शिविर में रुककर विश्राम करने लगा। तो वहां से उसका मोबाईल गुम हो गया। मोबाईल की सूचना पुलिस को दी। कैराना पुलिस ने मात्र 20 मिनट में गुम मोबाईल बरामद कर उसको सौंप दिया। शिव भक्त कांवड़िये ने कैराना पुलिस की प्रशंसा करते हुए आभार जताया।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम मध्यप्रदेश जन अभियान त्योंथर के द्वारा कार्यक्रम किया गया विद्यालय में

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

म.प्र-जन अभियान परिषद् के सम्भाग समन्वयक , प्रवीण पाठक ,ब्लॉक समन्वयक आदरणीय रामानंद पटेल * के कुशल मार्गदर्शन में नवांकुर चयनित समिति तेजस्विनी महिला मंडल द्वारा आज मॉडल साइंस स्कूल सहिजवार में *एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मॉडल साइंस स्कूल के प्रिंसिपल विजय प्रकाश चौधरी ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया,साथ ही बच्चों ने मां सरस्वती की वंदना कर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। कार्यक्रम की अगली कड़ी में तेजस्विनी महिला मंडल की अध्यक्ष ज्योति सिंह द्वारा पर्यावरण तथा वृक्षारोपण के महत्व पर बच्चों से आवश्यक बातें की तथा कार्यक्रम के अंत में स्कूल के शिक्षक द्वारा पर्यावरण गीत प्रस्तुत कर बच्चों को प्रोत्साहित किया गया साथ ही सभी उपस्थित लोगों ने एक पेड़ मां के नाम का लगाने के लिए संकल्प लिया। उसके बाद वृक्षारोपण में लगभग 300 पेड़ लगाए गए जिसमें आम, अमरूद,सागोन जामुन, आदि विभिन्न पेड़ लगाए गए,, कार्यक्रम में मॉडल साइंस स्कूल के सभी शिक्षक ने बराबर सहभागिता निभाई तथा बच्चों ने उत्साहित होकर अपने-अपने नाम के पेड़ लगाए कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका में रहे जन अभियान परिषद के मेंटर्स विवेक सिंह , शिक्षक राजेश कुमार प्रजापति , सौरभ कुमार पांडे , मनोज सिंह , मुकेश कुमार द्विवेदी , विजय तिवारी , इंद्र मोहन तिवारी , सुनील सिंह व स्कूल के सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

नयावास नरेंद्र गाड़ी की पोखर पर अवैध कब्जे की शिकायत माननीय मुख्यमंत्री जी राजस्व मंत्री जी को भेजी जाएगी पूरे सबूत के साथ भेजी जाएगी - राकेश

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह कहां है के हरदुआगंज के गांव नयावास नरेंद्र गाड़ी में पोखर पर काफी दिन से अवैध कब्जा चल रहा है एसडीएम को कई बार बता दिया एडीएम प्रशासन को भी लेटर भेजे गए हैं लेकिन अभी तक कब्जाधारियों से पोखर कब्जा मुक्ति नहीं कराई है दो-तीन लेखपाल यहां से बदल गए लेकिन पोखर पर कोई कार्रवाई अभी तक नहीं हुई है एसडीएम को करीब कई बार फोन किए गए हैं इसकी शिकायत माननीय मुख्यमंत्री जी से की जाएगी पोखर का पूरा ब्यूरो मुख्यमंत्री जी को भेजा जाएगा पोखर के कब्जे की शिकायत किसानों ने की है एसडीएम कोल को दो बार लेटर लिखा गया है उसे लेटर के साथ गांव के किसानों के हस्ताक्षर युक्त लेटर भी है लेकिन ध्यान नहीं दिया गया विरोध करते-करते किसानों के सामने ही मकान बनाकर खड़े हो गए भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री जी का सक्त आदेश है धार्मिक स्थल पर पोखर पर सरकारी संपत्ति पर कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उसे आदेश का पालन एसडीएम कोल नहीं कर रहे है माननीय मुख्यमंत्री जी को राजस्व मंत्री जी को किसानों की तरफ से भेजे जाएंगे

साली पर आया जीजा का दिल भगा ले गया साली को जीजा

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ इगलास। कोतवाली क्षेत्र के गांव लखटोई निवासी एक व्यक्ति का कहना है कि वह इगलास मंडी में काम करने आया था। घर पर बीमार मां व 17 वर्षीय बहन थी। इस दौरान हरियाणा के जिला बल्लभगढ़ के गणेशपुर निवासी साजिद पुत्र मुन्ना खां घर आया। साजिद गांव के रिश्ते से जीजा लगता है। आरोप है कि जीजा बहन को बहला फुसलाकर अपने साथ भागा ले गया है। इस संबंध में पुलिस ने प्राथमिकी पंजीकृत की है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

झारखंड का राज्यपाल नियुक्ति किए जाने पर संतोष गंगवार ने जताया पार्टी नेतृत्व का आभार

राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। उन्होंने बरेली के लोगों का आभार भी व्यक्त किया। बरेली से आठ बार सांसद रहे व झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार का रविवार को शहर में घर से लेकर भाजपा कार्यालय तक स्वागत किया गया। उनके घर पर कार्यकर्ताओं का खासा जमावड़ा रहा। दिनभर लोग बधाइयां देने पहुंचते रहे। संतोष गंगवार जब पार्टी कार्यालय पहुंचे और वहां भी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इससे पहले सुबह हल्द्वानी में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाते और लौटने के दौरान जिले के विभिन्न कस्बों में भी लोगों ने उनका स्वागत किया। संतोष गंगवार ने भाजपा कार्यालय पर अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को मतभेद भुलाकर पार्टी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कहा कि जो जिम्मेदारी मिली है, इसे सही ढंग से निभाऊंगा। आप सबके प्यार और स्नेह बदौलत यहां पर पहुंचा हूं। उन्होंने बरेली के लोगों का आभार जताया। पत्रकारों से बात करते हुए संतोष गंगवार ने कहा कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था है। राज्यपाल की जो जिम्मेदारी और दायित्व होता है, इसे हम एहसास करते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सही ढंग से शासन- प्रशासन चले, हमारी जिम्मेदारी है। ऐसा काम न हो, जो किसी को कहने का मौका मिले। मुझे जो जिम्मेदारी मिली है, इसे लेकर वहां जाने के बाद बहुत की बातें समझूंगा।पार्टी नेतृत्व का जताया आभार - राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर संतोष गंगवार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, %मेरी पूरी यात्रा के दौरान उनके अटूट समर्थन और मार्गदर्शन के लिए हमारी पूरी पार्टी नेतृत्व को विशेष धन्यवाद। यह नई जिम्मेदारी हमारे महान राष्ट्र के मूल्यों और सिद्धांतों और हमारे नेताओं के मुझमें विश्वास का प्रमाण है। आगे लिखा, मैं समर्पण, निष्ठा और प्रगति की दृष्टि से झारखंड के लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। आइए हम सब मिलकर अपने राज्य और देश के लिए एक उज्जवल और अधिक समृद्ध भविष्य का निर्माण करें।

बलिदानी मोहित को नमन: पिता ने कंपकंपाते हाथों से बेटे को दी सलामी... फिर मुखाग्नि

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान बलिदान हुए मोहित राठौर (25) हर आंख को नम कर गए। देश की रक्षा के लिए बलिदान हुए सेना के जवान मोहित राठौर की शौर्यगाथा से बदायूं जिला गूंज उठा। रविवार को उनके अंतिम दर्शन के लिए हाथों में तिरंगा और पुष्प लेकर जिले के विभिन्न हिस्सों के लोग गांव तक पहुंचे। अंतिम विदाई के दौरान बलिदानी की पत्नी और बहनें रो-रोकर बेसुध हो गईं। परिजनों ने किसी तरह उन्हें संभाला। सैन्य सम्मान के साथ बलिदानी को सलामी दी गई और फिर अंतिम संस्कार हुआ। पिता नत्थू सिंह राठौर ने बहादुर बेटे को मुखाग्नि दी। हजारों लोगों के साथ जनप्रतिनिधि और जिले के आला अधिकारियों ने नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस्लामनगर क्षेत्र के गांव सभानगर में बलिदानी मोहित राठौर के अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोगों की भीड़ जुटी। युवा हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और शहीद मोहित राठौर अमर रहें के नारे लगा रहे थे। इस्लामनगर से उनके गांव तक पुष्पवर्षा कर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई।गम और गर्व के माहौल में सेना के जवान तिरंगे में लिपटे बलिदानी मोहित राठौर का पार्थिव शरीर लेकर सभानगर गांव पहुंचे तो हर कोई रो पड़ा। पति का शव देखकर पत्नी रूचि बेहोश हो गई। बहनें भी बेसुध हो गईं। पिता नत्थूलाल सिंह बदहवास हो गए। परिजनों ने इन लोगों को संभाला।बहनें भाई के पार्थिव शरीर से लिपटकर बिलखने लगीं। रोते हुए बोलीं, अब हम किसे राखी बांधेंगे। वहीं मोहित की पत्नी रूचि को जैसे ही होश आया तो वह पार्थिव शरीर को लिपटकर बिलखने लगीं। इस दृश्य ने हर किसी के दिल को झकझोर दिया। लोगों ने फूल बरसाकर बलिदानी जवान मोहित को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पार्थिव शरीर को अंत्येष्टि स्थल पर ले जाया गया, जहां सेना और पुलिस के जवानों ने बलिदानी मोहित राठौर को अंतिम सलामी दी।

प्रतापगढ़ में पंचायत का फरमान : पेड़ में बांधकर विवाहिता के मुंह पर पोती कालिख, बाल भी काटे, कई हिरासत में

मामला हथिगवां थाना क्षेत्र के छोटकी इब्राहिमपुर गांव का बताया जा रहा है। यहां पर एक महिला को तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा करीब 12 साल का है, दो बेटियां छोटी हैं। महिला का पति मुंबई में रहकर नौकरी करता है। आरोप है कि महिला का प्रेम प्रपंच गांव के ही एक युवक से चल रहा है। यह बात धीरे-धीरे गांव में फैल गई। प्रमामला हथिगवां थाना क्षेत्र के छोटकी इब्राहिमपुर गांव का बताया जा रहा है। यहां पर एक महिला को तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा करीब 12 साल का है, दो बेटियां छोटी हैं। महिला का पति मुंबई में रहकर नौकरी करता है। आरोप है कि महिला का प्रेम प्रपंच गांव के ही एक युवक से चल रहा है। यह बात धीरे-धीरे गांव में फैल गई। ग्रामीणों ने इस पर आपत्ति की, लेकिन युवक का महिला के घर आना जाना बंद नहीं हुआ। गांव का माहौल खराब न हो इस को लेकर लोगों ने इस तरह के प्रेम प्रपंच पर रोक लगाने की बात कही, लेकिन दोनों के बीच संबंध जारी रहा। इस को लेकर कई बार पहले भी पंचायत हो चुकी थी।रविवार को ग्रामीणों की पंचायत हुई। दोनों के प्रेम प्रपंच को गांव के मान सम्मान से जोड़ते हुए दोनों को दंडित करने का फरमान सुनाया गया। पेड़ से बांधकर दोनों के मुंह पर कालिख पोतने और उनके बाल काटने का निर्णय लिया गया। यह सुनकर पंचायत में मौजूद प्रेमी ग्रामीणों के चंगुल से भाग निकला। ग्रामीणों ने विवाहिता को पकड़ लिया और बगीचे में ले जाकर पेड़ से बांध दिया। उसके मुंह पर कालिख पोत दी गई और बाल भी काट दिया। उधर, ग्रामीणों के चंगुल से छूटकर भागे प्रेमी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी तो खलबली मच गई। कई थानों की पुलिस गांव में पहुंच गई। पंचायत में शामिल दर्जन भर से अधिक लोगों को पुलिस थाने लेकर आई और उनसे पूछताछ कर रही है। घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें महिला के बच्चे यह कहते हुए सुने जा रहे हैं कि उन्होंने ही अपनी मां को पेड़ से बांधा है और मुंह पर कालिख पोती है, लेकिन छोटे-छोटे बच्चे इस घटना को कैसे अंजाम दे सकते हैं इस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। तापगढ़ के हथिगवां थाना क्षेत्र के एक गांव में पंचायत में ग्रामीणों ने गजब फरमान सुनाया। गांव के लड़के से प्रेम प्रसंग पर आपत्ति करते हुए ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर दोनों के मुंह पर कालिख पोतने और बाल काटने का फरमान जारी कर दिया। प्रेमी तो मौका पाकर भाग गया, लेकिन ग्रामीणों ने महिला को पकड़कर पेड़ से बांध दिया। उसके मुंह रप कालिख पोत दी और बाल भी काट दिया। ग्रामीणों के चंगुल से छूटकर भागे प्रेमी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी तो हड़कंप मच गया। कई गांवों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पंचायत में शामिल दर्जन भर से अधिक ग्रामीणों को हिरासत में लिया गया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल चलो अभियान के तहत प्राथमिक विद्यालय भारीगांव का भ्रमण कर लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रदेश भर के परिषदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है. जिससे अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा के उजियारे से आच्छादित किया जा सके। इसके तहत जनपद के सभी विद्यालयों में विशेष अभियान चलाकर शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर उन्हें स्कूल जाने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने विकास खण्ड गिलौला के प्राथमिक विद्यालय भारीगांव पहुंचकर शिक्षण सत्र का जायजा लिया। उन्होने बच्चों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें ससमय- विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यालय के स्मार्ट क्लास के संचालन एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की स्थिति भी जानकारी ली। जिस पर ज्ञात हुआ कि विद्यालय में कक्षा 01 से 05 तक कुल पंजीकृत 70 छात्र-छात्राओं के सापेक्ष 30 छात्र-छात्राएं उपस्थित पाये गये।इसी दौरान विद्यालय की छात्रा रितिका द्वारा सही जवाब देने पर जिलाधिकारी ने छात्रा को अपना पेन गिफ्ट किया, जिस पर छात्रा की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी निर्देशित किया कि जनपद में स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत नामांकन में वृद्धि के लिए नवाचार प्रयास करते हुए नामांकन में वृद्धि की जाये तथा वर्ष का कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्य धारा से वंचित न न रहने पाये। विद्यालय में मीनू के अनुसार ही भोजन निर्मित हो यदि निरीक्षण में किसी भी विद्यालय में मध्यान्ह भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार बनता नहीं पाया जाता है तो उस विद्यालय के प्रधानाध्यापक को ही प्रथमतः जिम्मेदार मानते हुए उनके विरुद्ध कार्यवाही प्रचलित कर दी जायेगी। विद्यालयों की स्वच्छता के संबंध में जिलाधिकारी के द्वारा कठोर निर्देश दिये कि परिसर एवं कक्षा-कक्षों की स्वच्छता के साथ ही साथ विद्यालय के शौचालय भी स्वच्छ होने चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा के उजियारे से वंचित न रहने पाये, इसलिये गुरूजनों का भी दायित्व बनता है कि वे अपने दायित्वों को बाखूबी निभायें और नौनिहालों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से बेहतर शिक्षा देकर उनके भविष्य को उज्जवल बनायें और अभिभावकों के विश्वास पर खरे उत्तरे। उन्होने अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से भी नियमित विद्यालय आने हेतु अपील किया। इस दौरान विद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

दो साथियों के साथ घर से निकले युवक की दूसरे दिन गहरे तालाब में उतराती दिखी लाश

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती के थाना मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सर्रा के मजरा मिसिर पुरवा निवासी बाबूराम उर्फ फुरैहे जो गांव के ही दुर्गेश पुत्र कर्मा निधान व बालक राम पुत्र सुंदर लाल के साथ मल्हीपुर को निकले थे।जहां तीनों ने भट्ठी पर शराब पी। शराब पीने के बाद एक की हालत नाजुक होता देख लोगों के द्वारा सीएससी मल्हीपुर लाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उस युवक को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया जबकि दूसरा युवक जब अपने घर पहुंचा तो बाबू राम की पत्नी रीता देवी ने अपने पति के वापस घर न लौटने का कारण पूछा तो उसने सही जवाब नही दिया। मल्हीपुर भिनगा मार्ग पुरानी नदी पुल के पास तालाब किनारे पति के चप्पल को देख पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस व एनडीआरएफ की टीम देर शाम तक तलाशती रही। वही दूसरे दिन ग्रामीणों ने युवक के शव को तालाब में उतराता हुआ देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना मल्हीपुर की पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवा कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। वहीं पत्नी व मृतक बाबूराम के पति ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे पति को इन्हीं दो युवकों ने धक्का देकर तालाब में धकेल कर मार डाला है। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। इस संबंध में थाना मल्हीपुर प्रभारी निरीक्षक जय हरि मिश्रा ने बताया घटना का खुलासा जल्द किया जाएगा।

सड़क पर गड्ढा, आवागमन दुश्वार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- विकास क्षेत्र जमुनहा के तिवारी गांव और पुरैना गांव के बीच महंत पुरवा चौराहे पर सड़क तालाब बन गई है। इससे लोग कीचड़ तथा जलभराव के बीच आने जाने को विवश हैं। महंत पुरवा चौराहे से होकर लोग तिवारी गांव, ललक गांव, पुरैना गांव आते जाते हैं। चौराहे पर नीची सड़क होने के नाते थोड़ी महंतपुरवा चौराहे के पास बनी सड़क पर गड्ढे में भरा पानी। सी बारिश में भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसके कारण लोगों को कीचड़ व जलभराव से होकर निकलना पड़ता है।

सड़क पर बने तालाब में पानी अधिक होने पर लोग गिर कर घायल हो जाते हैं। एक बार तो ई रिक्शा पलट जाने के कारण सवारियां पानी में गिर गई और कपड़े कीचड़ में सन गए। लोगों ने बताया किइस चौराहे पर सड़क को फिर से बनवाते हुए चौड़ीकरण करा दिया जाय और सड़क के किनारे नाले का निर्माण करा दिया जाय तो समस्या का समाधान हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं कराया जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने श्रावस्ती सांसद को प्रार्थना पत्र देकर नाला निर्माण कराने की मांग की है।

Caution! If you also drink milk tea first thing in the morning, then you are unknowingly inviting many problems

Tea is also not something that people do not like. There is no dearth of tea drinkers here. People here are ready to drink tea at any time. Some people are so addicted to tea that they drink tea as soon as they wake up in the morning. However, this delicious tea can cause serious damage to health. Let us know some of its disadvantages. There is no dearth of tea

drinkers here. Here people's day starts with tea and the day ends with a cup of tea. Some people are so habituated to tea that they drink bed tea as soon as they wake up. Milk tea made from milk, sugar, tea leaves and ginger or cardamom may be excellent in taste, but it causes a lot of harm to health. This tea made from milk is very addictive, due to which one feels like drinking it again and again. However, milk tea can cause a lot of damage to health when it enters the body. Let us know the disadvantages of milk tea- Bloating- Tea contains caffeine, which can cause bloating. The mixture of milk and caffeine leads to gas production, which causes bloating. Constipation- Tea contains theophylline, which causes constipation along with dehydration in the body. Therefore, most small children feel sensitivity to the protein found in milk, which causes constipation. Lack of nutrients- Milk and tea leaves together prevent many nutrients from being absorbed, which leads to deficiency of nutrients in the body. This causes deficiency of iron and zinc in particular. Reduces the effect of tea- A flavonoid is found in tea, which is called catechin, it is considered beneficial for the heart, but according to a study, a group of proteins found in milk reduces the density of catechin when mixed with tea leaves. Insomnia- The caffeine present in milk tea disrupts the sleep cycle, which leads to insomnia and insomnia. Weight gain- The full fat milk and sugar present in milk tea leads to rapid weight gain. Other problems Among other problems, consuming milk tea can also cause symptoms like headache, acidity, vomiting, nausea, loss of appetite, anxiety.

Your mistakes can ruin a happy relationship, if ignored they can become the reason for break-up

The more joyful it is to start a romantic relationship, the more painful it is to break it. In such a situation, people who fail to save the relationship often keep looking for the reasons for the breakup. In such a situation, it is important to understand what could be the reasons behind this. Therefore, we have brought stories of some people from which you can learn a lesson and make your relationship better. In the hustle and bustle of life, our partner gives us emotional support in the ups and downs of life. Our relationship with our partner should be such that we can tell them everything that is on our mind without hesitation. However, nowadays the trend of breakup has increased a lot. "The world heard my songs, but nobody could understand my pain, only you could support your heart, wherever you look, you hear about broken relationships, but many times people are unable to understand what caused their breakup. Today, there are many reasons behind breakups, which can be easily avoided and a broken relationship can be saved. Relationship ended due to differences - Anjali, a BSc second year student, was in a relationship with one of her classmates for seven months. Their relationship started with friendship, which later turned into love. Anjali says that everything was going well between them for the first few months, but gradually love started getting replaced by differences. The reason for the fights was arguments. Due to the differences in their views, they often used to argue, due to which their relationship finally ended. Like Anjali, many people break up due to such small things. Not being able to adopt the habits and thoughts of their partner or not being able to talk to each other and find out about their shortcomings Not getting rid of the differences is the biggest reason for breakups. Hesitation in giving commitment- Avinash, a software engineer living in Bangalore, said that he was in a relationship for the last two years, but they broke up a few months ago because his girlfriend did not want to commit right now. Relationships fall apart like a pack of cards due to lack of trust and commitment. 'I deserve better' is also a reason- People are often seen running away from commitment citing the concept of 'I deserve better'. With changing times, people are always looking for something better. This is fine for professional life, but despite being in a relationship with your partner, focusing only on someone else's qualities, comparing your partner with them or not committing properly, thinking that who knows you will find someone better than this, often becomes the reason for breaking up of the relationship. A storm of anger can destroy the home- Priyanka, a third year BA student, also says that her relationship lasted only two months. The reason for their breakup, she told, was that her boyfriend was not able to control his anger and whenever there was a fight, a different side of him was seen. People often do not think about how much your partner's feelings can be hurt by saying anything in anger and due to this many breakups happen. These things can also become the reason - There are many other reasons behind breakup, such as getting irritated on every small thing, addiction to alcohol or any other intoxicant, competition to get ahead of each other, lying, ignoring your partner, lack of emotional stability, jealousy or lack of intimacy. These are such reasons, which can be improved in time. These will not only make you a better partner, but will also help in becoming a good person. However, there is no scope to save some relationships, in such cases separation is the only option left. But if by changing yourself you can avoid losing a better partner, then why not do it.

Just expressing love is not enough, Healthy Parenting is also important for the proper growth of children

Spending time with children is very important. For their development, parents should give them time and tell them about some important things (Parenting Tips). With these things, you are able to connect emotionally with your child and their trust in you also deepens, which is very important for their development. Let's know about those things. Spending time with children improves their development. Make children realize that you love them and they can share everything with you. Give children the freedom to make mistakes, so that they can learn from them. Due to today's hectic life and rising inflation, now both parents do jobs. Therefore, it becomes difficult to take out more time for children between work and household chores. Although there is no harm in both parents working, but due to this one challenge definitely comes up and that is the lack of time to spend with children. It is very important to spend time with children in growing age. This helps a lot in the mental development of children. Spending time with children helps in understanding their needs and also their feelings. Therefore, whenever you get time, you should definitely tell your children some such things, which will give them a chance to come closer to you and will also help them in their better development and progress. Express love - Parents raise children without any conditions and they always want their child to move forward in life. However, you should also assure your children of this from time to time. This creates a feeling of security and belonging in them. Therefore, tell them from time to time that they are precious to you and you love them very much. You can express your love through small things, like by telling a story, playing a little with them or talking to them. Making mistakes is not a bad thing - Children who know that making mistakes is an opportunity to learn. Therefore, do not let the fear develop in the minds of children that if they make a mistake, you will scold them or beat them. The fear of failure disappears in such children and they do not hesitate in looking for new and better opportunities for themselves. In such a situation, telling children that making mistakes is normal, makes them strong from within. Be proud- The encouragement that children get from their parents helps them to maintain self-esteem and positive thinking towards life. For this, do not forget to celebrate their successes as well as their efforts. By doing this, make them feel that you are proud of them. Have faith- By believing in the abilities of children, assure them that they can do everything that a successful person can do. There is nothing in the world that they cannot do. Feeling of security- Children whose home and surrounding environment is safe, such children develop social etiquettes and healthy mentality. Therefore, it is the responsibility of the parents to make them feel safe.

Uff! Mouni Roy shared killer pictures in black saree, the actress was seen showing madness

Actress Mouni Roy, who stepped into acting from Ekta Kapoor's show, needs no introduction today. She has fans in the country as well as abroad. The actress is very active on social media and now recently she has shared some of her killer pictures, after seeing which the fans have fallen in love with her. Mouni Roy shared beautiful pictures - Actress wreaked havoc in saree - Fans reacted to the actress's postActress Mouni Roy, who started her career from the small screen, is also showing her strength in Bollywood today. She has worked with many big stars like Akshay Kumar, Ranbir Kapoor. The actress is also very active on social media and there she keeps sharing photos and videos with her fans. As much as Mouni is in the news for her work, she also garners limelight for her fashion sense. Now once again the actress has shared many hot pictures in saree on her social media, in which fans are left watching her killer look. Mouni created a ruckus in black saree- Mouni Roy has shared many pictures on her social media handle Instagram, in which she is seen showing her killer style. In these photos, the actress is seen wearing a black colored saree. Seeing this look of her, the fans have also fallen in love. The actress flaunted her curvy figure- The actress is seen giving different poses in the photos. It can be seen in the pictures that wearing a black saree, she is seen flaunting her curvy figure. To complete this look, the actress put a small bindi on the forehead and kept her hair open. Fans reacted to the photos- Fans and her best friend Disha Patani have also reacted to these pictures of the actress. Disha has written beautiful while sharing a heart emoji in the comment section. At the same time, a user wrote that you are my favorite. Another wrote that beautiful. The third one wrote that killer look princess. Sharing these photos, the actress wrote in the caption that I believe in kindness and mischief too. Also in dancing, especially when dancing is not mandatory.

Sakshi Tanwar does not believe in racing, 'Dangal' actress got this lesson from her father

Actress Sakshi Tanwar, who started her career from the small screen, is a well-known name in the industry today. Along with TV shows, she has also worked in many films including Dangal. Now recently the actress has talked about her personal life. The actress has told how sometimes we get a big direction in life from small things. Sakshi Tanwar has been seen in many TV shows. The actress has also shown her strength in films. The actress remembered

the people who gave the right advice. Many times such turns come in life, where one does not understand what to do. In such a situation, the people who give the right advice at that time are remembered. In the life of 'Dangal' film actress Sakshi Tanwar, that person is her parents and producer Ekta Kapoor. Sakshi says, 'Sometimes we get a big direction in life from small things. Once I was doing a show with Ekta Kapoor. I told her that now I want to do something else. Then Ekta had said that your way of working is unique, that is your brand, don't lose it. I learnt at the beginning of my career that my brand is made from what I am doing, I have to keep it alive. Whatever subject will support my brand, I will do that work. This thinking became the biggest support for me to decide whether to do any work in future or not.' In this glamour world, Sakshi also considers the support of the family very important. She further says, 'It is the family that takes you out of every small and big situation. I am lucky that my parents have taught me to deal with every turn and situation. There was a time when I was doing many things simultaneously. I used to get tired, was earning good money, but was not even getting time to eat and sleep. I wanted rest and did not want to leave work. Then Papa made me sit and asked what are you running after. If you are working only for money, then don't do it. Work only when you can enjoy the work and its process. His teachings helped me. My mother also used to say that don't run, stop, feel the moment. If people are running around, let them run. You decide your own pace, do what you are comfortable with. Choose the pace at which you are not tired of walking and are able to work with your full talent. These things became a mantra for me to keep working in this industry. I leave a lot of work. I am not a part of any noise. I am not on internet media. Everyone has to find their own mantra for their journey. For me, it is very important to stop in between. Stop and feel. Then when I am ready, I start walking. I do not believe in race. Circumstances make you stronger. You learn from your mistakes.

Bad Newz Collection Day 9: 'Bad Newz' not ready to bow down, earnings jump tremendously

People liked the story of the film Bad Newz released under the banner of Dharma Productions. This comedy-filled movie starring Vicky Kaushal, Tripti Dimri and Amy Virk is a movie. The film received mixed response from the audience and critics. On the other hand, if we talk about its box office collection, then once again the earnings of the film have seen a jump. Bad Newz is the first film of Vicky Kaushal-Tripti Dimri together Bad Newz is Amy Virk's first film in Bollywood After the fall, the earnings of the film have once again jumped Vicky Kaushal, Tripti Dimri and Amy Virk's recently released film 'Bad Newz' has received a lot of love from the audience. Apart from being a love story, this movie is also based on the rare condition heteropaternal superfecundation. Giving some different information, this film of Vicky Kaushal can be seen strengthening its hold in the domestic collection. 'Bad News' earnings jump - 'Bad News' film was released worldwide on 19 July. This was the first time that Vicky Kaushal, Tripti Dimri and Amy Virk shared screen space. This is Amy Virk's first film in Bollywood. People were crazy about 'Bad News' from the time of announcement. The film has been making strong collections since the first day of its release. However, its earnings definitely declined in the last few days, but the film once again picked up pace on Saturday. If we look at the figures of Sakcinlk, the film's earnings at the domestic box office are not far from 50 crores. Bad News film opened its account with 8.3 crores. After this, the film's collection increased for two days, but from the fourth day the earnings started declining. Now on Saturday once again there is a jump in the film's collection. Collection of 'Bad News' till nowThese are the figures given by Sacnilk. Changes are possible in these. does not confirm these figures. Know what is the condition on which the film is based- The film is based on Heteropaternal Superfecundation. This is a rare condition in which a woman has twins in her womb, but their fathers are different. Of the children of Tripti Dimri shown in the film, one is Vicky Kaushal's daughter and the other is Amy Virk's. Both are twin sisters, they have the same mother, but different fathers.